मैं कलाम बोल रहा हूँ

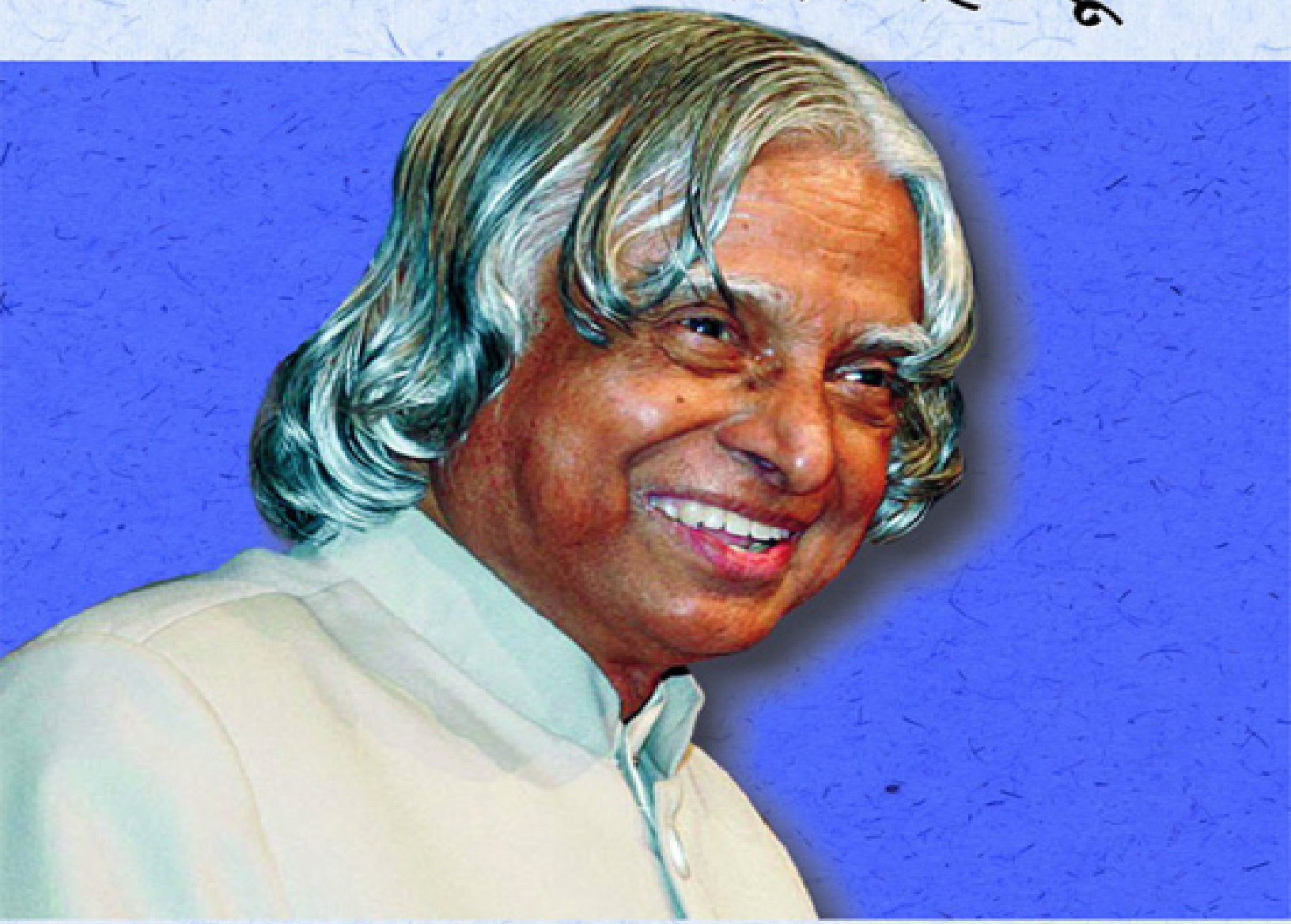

सं. प्रशांत गुप्ता

VISIT…

मैं कलाम बोल रहा हूँ

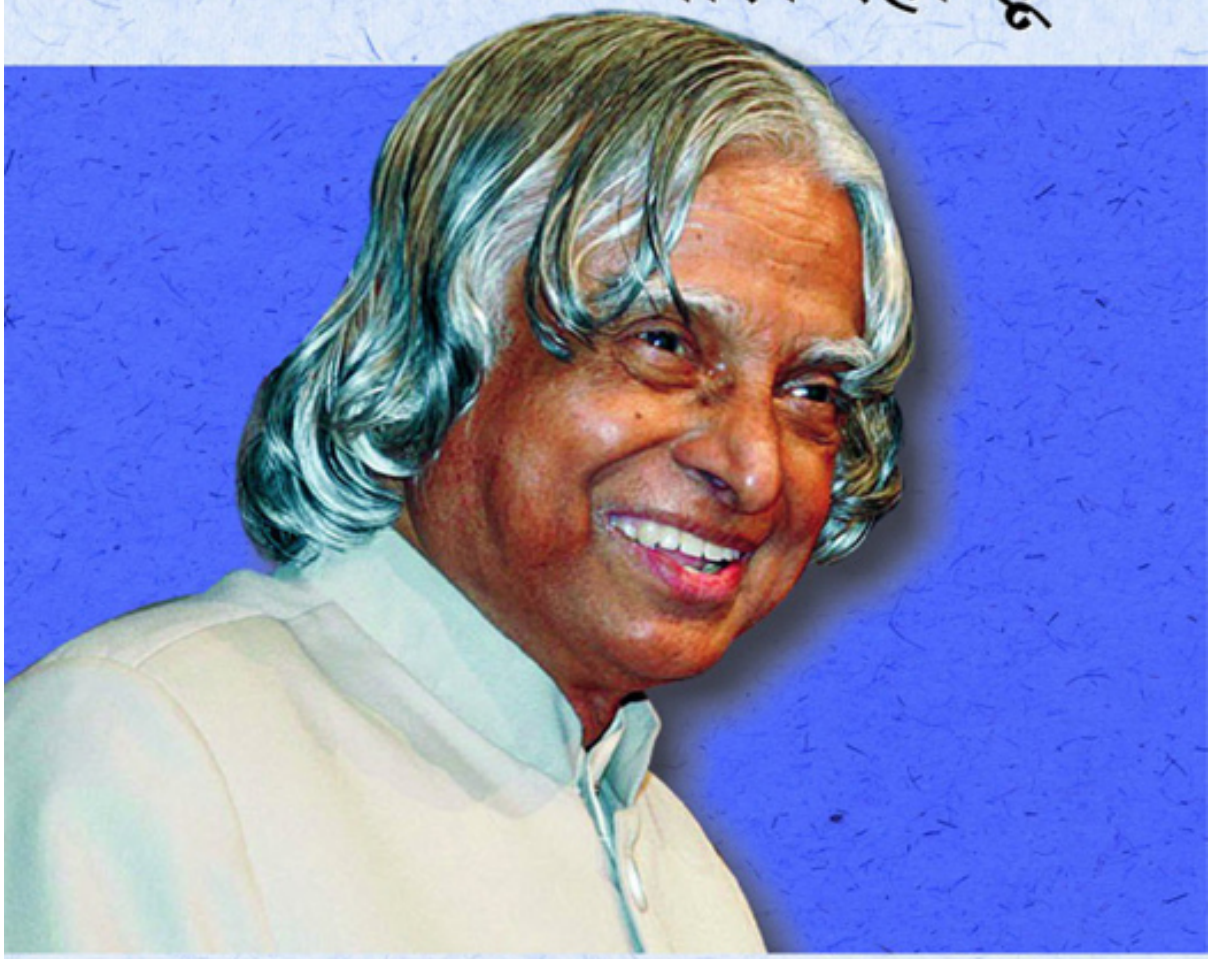

सं. प्रशांत गुप्ता

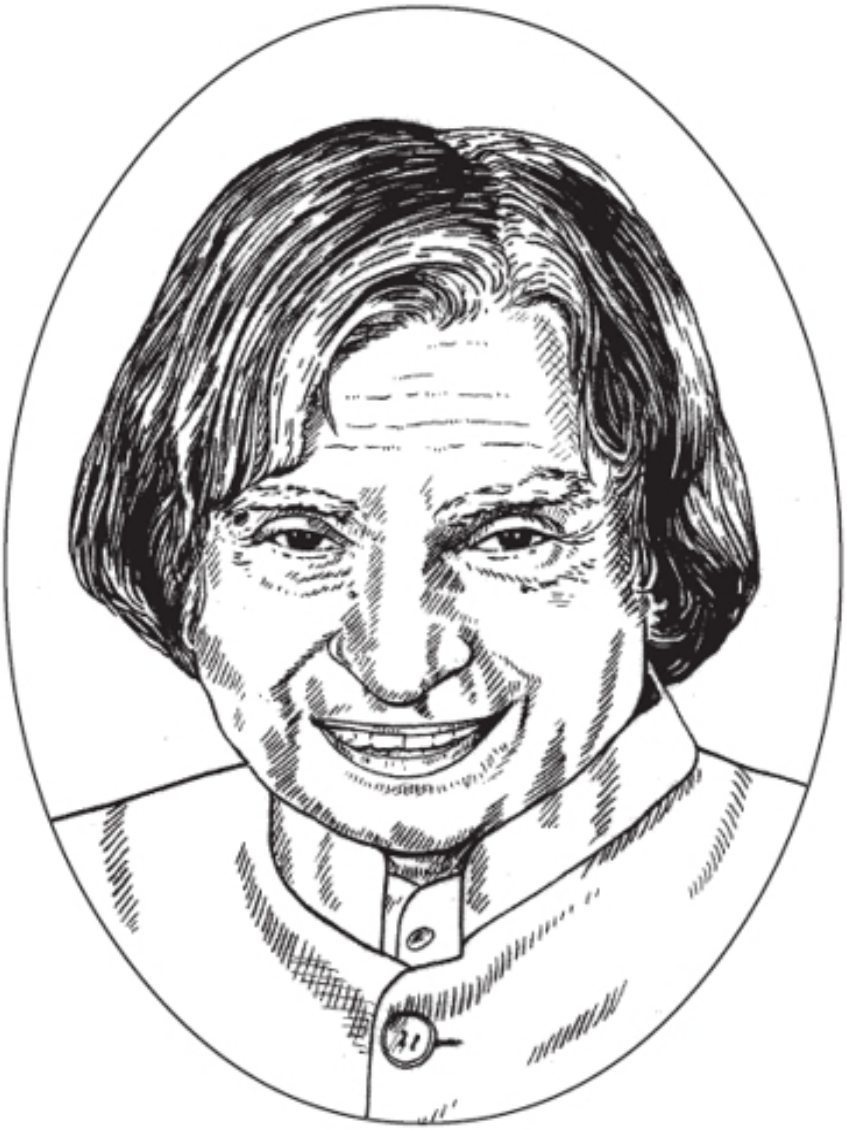

मैं कलाम बोल रहा हूँ

प्रशांत गुप्ता

प्रतिभा प्रतिष्ठान, नई दिल्ली

विषय-क्रम

कलाम के विचार

डॉ.ए.पी.जे. अब्दुल कलाम

मैं कलाम बोल रहा हूँ

अंग्रेजी भाषा

अंत:करण

अंतरिक्ष

अंतरिक्ष में शांति

अंतरिक्ष लक्ष्य 2050

'अग्नि' मिसाइल

अध्यवसाय

अनुभव

अनुसंधान

अनेकता में एकता

अपमान

अमर जवान ज्योति

अयोग्यता

संभव

आई.ए.एस. प्रशिक्षुओं की शपथ

आतंकवाद

आत्मा

आत्मालोचना

आनेवाला कल

आपदा

आम आदमी

आर्थिक विकास

आशावाद

इक्कीसवीं शताब्दी

इच्छा-शक्ति

इरादा

ईमानदार और न्यायप्रिय जीवन

ईश्वर

ईश्वर का संदेश

ईश्वर से प्रार्थना

उत्पादकता

उद्देश्यहीन गतिविधि

उद्यमी

उन्नति

ऊर्जा

एन.सी.सी. कैडेटों की शपथ

एम.एस. सुब्बुलक्ष्मी की स्मृति में

एम.एस. सुब्बुलक्ष्मी को श्रद्धांजलि

कंप्यूटर और गजट

कठिनाइयाँ

कड़ी मेहनत

कला

कामना

कार्य

कृषि

क्षमता निर्माण

क्षेत्रीय समृद्धि

गाँव

गौरव

ग्राम पंचायत की शपथ

चिंता

चेतना

छाया

छोटे बच्चे

जवानों की शपथ

जीवन

जीवन का उद्देश्य

जीवन का तरीका

जीवन के तीन स्तंभ

जीवन-दर्शन

जीवन विद्या

जिले

ज्ञान

टिकाऊ विकास

डॉक्टर

डॉ. कलाम द्वारा दिलाई गईं तमाम शपथें

डॉ. रमन्ना

त्रुटियाँ

दल

दवाइयाँ

दान

दिशा-निर्देशन करनेवाली आत्माएँ

दृढ़ निश्चय

दृष्टिबाधित

देश

देश के युवा

धर्म

नर्सिंग

नर्सें

नवीनता

नशे के दुष्परिणाम

नागरिकता

निर्धनता

नृत्य और संगीत

नेता

नेतृत्व

नैनोटेक्नोलॉजी

पढ़ना

पत्रकारों के लिए ध्यान योग्य क्षेत्र

पद-चिह्न

परिवर्तन

पर्यावरण

पसीना

पीड़ा

पी.यू.आर.ए. (ग्रामीण इलाकों में शहरी सुविधाएँ मुहैया कराना)

पुनरावृत्ति

पुलिसकर्मियों की शपथ

पुस्तक

पेयजल

प्रकृति

प्रतिष्ठा

प्रतिस्पर्धात्मकता

प्रबंधक

प्रबुद्ध नागरिकों की शपथ

प्रबुद्ध मस्तिष्क

प्रशिक्षण

प्रसन्न जीवन जीने की कला

प्रसन्नता

प्रौद्योगिकी

फूल

फूलों की महानता

बच्चा

बच्चों के आदर्श

बड़ी सोच

बलिदान

ब्रह्मांड

भलाई

भविष्य

भारत

भारत के लिए गीत

भावना

भूमंडलीकरण

भ्रष्टाचार

मन

मरीज

मस्तिष्क

महानता

महान् आत्माएँ

महान् ऊँचाइयाँ

महान् मस्तिष्क

महापुरुष

महिलाएँ

मानव जाति

मानव जीवन

मानव जीवन का मिशन

मानव प्रजाति

मिशन

मुसकराहट

मूल्य-प्रणाली

मृत्यु

मेरे प्रिय सैनिको

मेरे लोग

मैं महान् हूँ

मैं स्वयं

मोमबत्ती

युवा

युवाओं की शपथ

रचनात्मकता

राजस्व घाटा

राज्य

राष्ट्र

राष्ट्र के लिए विजन

राष्ट्र-सेवा की शपथ

राष्ट्रीयता

राष्ट्रीय प्रार्थना

रूपांतरण

रोल मॉडल

लक्ष्य

लेखक

वर्ष 2020

वास्तविक शिक्षण

विकसित भारत

विचार

विचारशीलता

विजन

विजन 2020

विजनरी

विज्ञान और प्रौद्योगिकी

विदेशी वस्तुएँ

विद्यार्थी

विद्यार्थियों की शपथ

विपत्तियाँ

विमान से नीचे की ओर देखना

विरासत

विशिष्ट योग्यताओंवाले लोगों की शपथ

शक्ति

शांति

शारीरिक रूप से बाधाएँ झेल रहे बच्चों के लिए कविता

शिक्षकों की शपथ

शिक्षा

शुभचिंतक

संगीत

संघर्ष

संचार माध्यमों के आदर्श

संतुष्टि

संपत्ति

संपर्क

संस्कृति

संस्थाएँ

सच्चरित्र व्यक्ति

सच्चाई

सच्ची भावना

सत्यनिष्ठा

सफलता

समय

समर्पण

समस्याएँ

समाज

समानता

समुद्री लहरें (सुनामी)

समृद्धि

सशक्तीकरण

साइबरस्पेस

सामंजस्य

साहस

साहस की शपथ

साहित्य

सुंदर हाथ

सूचना प्रौद्योगिकी

सेना

सेवा

स्मृतियाँ

स्वच्छता

स्वतंत्रता

स्वप्न

स्वयं पर भरोसा कीजिए

स्वास्थ्य कर्मियों की शपथ

स्वीकार्यता

संदर्भ

कलाम के विचार

इस पुस्तक के उद्धरण

आपका एक लक्ष्य और पर्याप्त स्वप्न होना चाहिए; कड़ा परिश्रम कीजिए—और आपको वो मिलेगा, जो आप चाहते हैं।

भारत की युवा पीढ़ी का लक्ष्य बड़ा होना चाहिए; छोटा लक्ष्य रखना अपराध है।

हमेशा ऊँचा उठने के बारे में सोचिए। इसे ही अपना एकमात्र विचार बनाइए।

अगर किसी लक्ष्य को हासिल करने का दृढ़संकल्प है तो व्यक्ति को सफलता जरूर मिलेगी।

दृढ़ निश्चय के साथ किए गए प्रयासों से आप पहले से मान्य धारणाओं के विपरीत हमेशा सफलता हासिल कर सकते हैं।

हमें कभी उम्मीद नहीं छोड़नी चाहिए और हमें समस्याओं के आगे कभी हार नहीं माननी चाहिए।

हर कठिन काम को संभव करके दिखाइए।

दृढ़ विश्वास की हिम्मत से हमें शक्ति और प्रतिष्ठा प्राप्त होती है।

प्रत्येक नागरिक सशक्त तभी बन सकता है जब वह प्रतिष्ठापूर्ण जीवन जी सकता हो। तभी राष्ट्रीय शांति व समृद्धि हासिल की जा सकती है।

दीप अलग-अलग हैं,

लेकिन रोशनी एक है।

दुनिया की खुशियाँ तुम दुनिया को लौटाते हो,

तुम अंतरतम में बने रहते हो।

आपके जग का पानी

खारा और नीचा है।

जग को तोड़कर फेंक दीजिए

और नदी की ओर आइए।

आपको सफलता तभी मिल सकती है, जब आपके पास ऐसा विजन हो, जो सपनों में बदल सके, विचारों में बदल सके और कार्यों में बदल सके।

आपदाओं से निपटते समय साहस से काम लीजिए।

जब आप महान् कॉरपोरेट बनना चाहते हैं तो आपको दुर्दमनीय भावना की आवश्यकता पड़ती है। दुर्दमनीय भावना का मुख्य लक्षण उच्चतर लक्ष्यों का विचार आवश्यक रूप से होना है।

अच्छी शिक्षा-पद्धति समय की आवश्यकता है, ताकि विद्यार्थियों का प्रबुद्ध नागरिक के रूप में विकसित होना सुनिश्चित किया जा सके और उनकी राष्ट्रीय विकास योजनाओं में भागीदारी भी हो सके।

डॉ. ए. पी. जे. अब्दुल कलाम

एक 'आदर्श भारतीय' एवं 'भावी पीढ़ी के प्रेरणा-पुंज' के रूप में पहचाने जानेवाले भारत के पूर्व राष्ट्रपति डॉ.ए.पी.जे. अब्दुल कलाम का जन्म 15 अक्तूबर, 1931 को तमिलनाडु राज्य के रामेश्वरम् कस्बे में एक साधारण तमिल परिवार में हुआ था। इनका पूरा नाम अबुल पकीर जैनुलाबदीन अब्दुल कलाम है। इनके पिता का नाम जैनुलाबदीन और माता का नाम आशियम्मा था। दोनों ही बड़े सरल स्वभाव के धर्मपरायण दंपती थे।

समाज में डॉ. कलाम के माता-पिता का बड़ा सम्मान था और उन्हें एक आदर्श दंपती के रूप में देखा जाता था। उनका संयुक्त परिवार था और उसमें कई सदस्य थे।

डॉ. कलाम के पिता जैनुलाबदीन का व्यक्तित्व आडंबर से परे था। वे अनावश्यक सुख-सुविधावाली चीजों से दूर रहते थे एवं विचारों की श्रेष्ठता व मानवीय मूल्यों को अधिक महत्त्व देते थे। रामेश्वरम् मंदिर के सबसे बड़े पुजारी पंडित लक्ष्मण शास्त्री उनके अभिन्न मित्र थे। दोनों मित्रों के बीच प्राय: लंबी आध्यात्मिक चर्चाएँ हुआ करती थीं। उनके वार्त्तालाप के दौरान बालक कलाम प्राय: आस-पास ही रहते। हालाँकि उन लोगों की सभी बातें कलाम की समझ में नहीं आती थीं, परंतु फिर भी, उन बातों में कहीं कुछ ऐसा था, जिसका कलाम के बाल-हृदय पर भी अत्यंत गहरा प्रभाव पड़ा।

बचपन में कलाम अपनी माँ के साथ ही रसोई में जमीन पर बैठकर खाना खाया करते थे। इनकी माँ इनके सामने केले का पत्ता बिछातीं। फिर उसपर सुगंधित चावल एवं स्वादिष्ट साँभर देतीं, साथ में घर का बना अचार और नारियल की ताजा चटनी भी होती थी। डॉ. कलाम बचपन से ही ईमानदार, ईश्वर में विश्वास करनेवाले, परिश्रमी और सादगी-पसंद रहे हैं। ये गुण उन्हें अपने माता-पिता से ही विरासत में मिले हैं।

डॉ. कलाम के बाल-जीवन पर उनके चचेरे भाई शम्सुद्दीन का गहरा प्रभाव पड़ा। शम्सुद्दीन रामेश्वरम् में अखबारों के एकमात्र वितरक थे। उन दिनों तमिल अखबार 'दिनमणि' की माँग सबसे ज्यादा थी। अखबार में जो कुछ भी छपा होता था, उसे समझने में कलाम उस समय समर्थ नहीं थे; लेकिन बाल-सुलभ उत्सुकता के कारण जब शम्सुद्दीन अखबार लेकर घर आते थे तो बालक कलाम अखबार में छपी तसवीरों पर नजर डालकर ही संतोष कर लेते थे।

सन् 1939 में जब दूसरा विश्व युद्ध छिड़ा तब कलाम की आयु मात्र 8 वर्ष थी। तभी बाजार में इमली के बीजों की माँग अचानक बढ़ गई। हालाँकि बालक कलाम को इसका कारण

मालूम नहीं था, फिर भी उन्होंने इमली के बीजों को इकट्ठा करना और उन्हें परचून की दुकान पर बेचना शुरू कर दिया। इससे उन्हें एक आना रोज मिल जाता था।

उस समय विश्व युद्ध के कारण भारत में आपातकाल की घोषणा कर दी गई थी। उसका एक परिणाम यह हुआ कि रामेश्वरम् स्टेशन पर गाड़ी का ठहरना बंद कर दिया गया। ऐसी स्थिति में शम्सुद्दीन के अखबारों के बंडल रामेश्वरम् और धनुषकोडि स्टेशनों के बीच चलती गाड़ी से गिरा दिए जाते थे। तब शम्सुद्दीन को एक ऐसे मददगार की जरूरत पड़ी, जो अखबार के गिरे हुए बंडलों को उठाने में उनकी मदद करता। बालक कलाम उनका हाथ बँटाने के लिए तैयार हो गए। इस प्रकार कलाम को पहली तनख्वाह अपने चचेरे भाई शम्सुद्दीन के हाथों मिली।

बचपन में कलाम सिर पर टोपी पहना करते थे, जो उनके मुसलमान होने का प्रतीक थी। उस समय कलाम प्राइमरी स्कूल में पाँचवीं कक्षा के छात्र थे। एक दिन एक नए शिक्षक उनकी कक्षा में आए। कलाम अपने मित्र रामानंद शास्त्री के साथ आगे की पंक्ति में बैठे हुए थे। नए शिक्षक को एक हिंदू लड़के के साथ मुसलमान लड़के का बैठना अच्छा नहीं लगा। उन्होंने कलाम को वहाँ से उठकर पीछेवाली बेंच पर बैठने को कहा। यह बात कलाम को बुरी लगी। रामानंद शास्त्री को भी इस व्यवहार से बहुत दु:ख हुआ।

इस घटना के बारे में जब रामानंद शास्त्री के पिता लक्ष्मण शास्त्री को पता चला तो उन्होंने उस शिक्षक को बुलाया और कहा, ‘‘आपको निर्मल मन के बच्चों के मन में धार्मिक भेदभाव का विष नहीं घोलना चाहिए।’’

उस शिक्षक ने अपने व्यवहार के लिए क्षमा माँगी और अंतत: उसके व्यवहार में परिवर्तन आ गया।

प्राइमरी स्कूल की पढ़ाई पूरी करने के बाद कलाम ने आगे की पढ़ाई के लिए रामनाथपुरम् के श्वार्ट्ज हाई स्कूल में दाखिला ले लिया। वहाँ पढ़ाई करने के लिए कलाम को अपना घर-परिवार छोड़कर स्कूल के हॉस्टल में रहना था। रामनाथपुरम् में रहते हुए इन्हें अपने माता-पिता, अपने घर तथा माँ के हाथ की बनाई दक्षिण भारतीय मिठाई ‘पोली’ की बहुत याद आती थी।

घर की बहुत अधिक याद आने के बावजूद कलाम अपनी पढ़ाई के प्रति समर्पित थे, क्योंकि इनके माता-पिता और शिक्षकों को इनसे बड़ी उम्मीदें थीं। इन्होंने अपने मस्तिष्क और विचारों को स्थिर रखने तथा अपने लक्ष्य को पाने के लिए कठोर परिश्रम किया। उस समय इनकी दृढ़ इच्छा-शक्ति के सामने कोई भी बाधा टिक न सकी।

उन्हीं दिनों की बात है, एक दिन गणित के शिक्षक रामकृष्ण अय्यर किसी कक्षा में पढ़ा रहे थे। अनजाने में बालक कलाम उस कक्षा से होकर निकल गए। शिक्षक रामकृष्ण अय्यर ने तुरंत इनकी गरदन पकड़ी और भरी कक्षा के सामने बेंत से मारने लगे। कुछ समय बाद जब बालक कलाम के गणित में पूरे नंबर आए तब शिक्षक रामकृष्ण अय्यर ने स्कूल की सुबह की प्रार्थना के समय सबके सामने यह घटना सुनाई। उन्होंने कहा, ''मैं जिसकी पिटाई बेंत से करता हूँ, वह एक महान् व्यक्ति बनता है। मेरे शब्द याद रखिए, यह छात्र विद्यालय और अपने शिक्षकों का गौरव बनने जा रहा है।''

बचपन से ही बालक कलाम आकाश और पक्षियों के उड़ने के रहस्यों के प्रति आकर्षित थे। सारस को समुद्र के ऊपर मँडराते और दूसरे पक्षियो को ऊँची उड़ानें भरते देख इनका मन मचल उठता था। इन्होंने निश्चय किया कि एक दिन मैं भी आकाश में ऐसी ही उड़ानें भरूँगा। आगे चलकर वास्तव में उड़ान भरनेवाले ये रामेश्वरम् के पहले व्यक्ति हुए।

कलाम ने जब श्वार्ट्ज हाई स्कूल की पढ़ाई पूरी की तो इनका मन आत्मविश्वास से लबरेज था। एक क्षण भी सोचे बिना इन्होंने आगे पढ़ने काफैसला कर लिया। आगे की पढ़ाई के लिए सन् 1950 में इन्होंने तिरुचिरापल्ली के सेंट जोसेफ कॉलेज में दाखिला ले लिया। कॉलेज की पढ़ाई के दौरान अनुशासन का पालन करते हुए इन्होंने पढ़ाई में कड़ी मेहनत की। कॉलेज में जब कलाम अंतिम वर्ष में पढ़ रहे थे, उसी समय इनमें अंग्रेजी साहित्य के प्रति रुचि जाग्रत् हुई। इन्होंने टॉलस्टॉय, स्कॉट, हार्डी आदि महान् लेखकों की सभी उपलब्ध पुस्तकें पढ़ डालीं। अंतिम वर्ष की पढ़ाई के दौरान ही भौतिक-शास्त्र में भी इनकी गहरी रुचि उत्पन्न हो गई थी। ब्रह्मांड विज्ञान और खगोलीय पिंडों के बारे में अधिक-से-अधिक जानने में इन्हें बहुत आनंद आता था।

अपना स्वप्न साकार करने के लिए कलाम को इंजीनियरिंग की पढ़ाई करनी थी, इसलिए सेंट जोसेफ कॉलेज से बी.एस-सी. करने के बाद इन्होंने मद्रास प्रौद्योगिकी संस्थान में दाखिला लेने का निश्चय किया। इसके लिए लगभग 1,000 रुपए की जरूरत थी और इनके पिताजी के पास इतना पैसा कभी हुआ ही नहीं था। ऐसे समय में इनकी बड़ी बहन जोहरा इनकी सहायता के लिए आगे आईं। उन्होंने इनकी फीस के लिए अपने हाथों के कड़े तथा हार गिरवी रख दिए और इन्हें मद्रास प्रौद्योगिकी संस्थान (MIT) में दाखिला दिलाया। उस समय कलाम का एक ही लक्ष्य था—मुझे विमान उड़ाना है।

विनम्रता एक उत्तम गुण है, परंतु एम.आई.टी. में पढ़ते हुए अपने इसी गुण के कारण कलाम को कई कठिनाइयों का सामना करना पड़ा। संकोच के कारण वे न तो कक्षा में खुलकर प्रश्न पूछ पाते, न ही अपनी बात सशक्तढंग से कह पाते थे। इससे कई बार कलाम के सहपाठी इन्हें छेड़ते और इनका उपहास उड़ाते। इन बातों से ये कई बार निराश हुए।

इनका आत्मविश्वास भी डाँवाँडोल हुआ। ऐसे समय में कलाम एकांत में बैठकर अपने पिता की शिक्षाओं और उनके प्रेरणास्पद वाक्यों को याद करते। इन्हें अपने पिता के कहे हुए ये शब्द बार-बार याद आते, 'वह, जो दूसरों को समझता है, वही सीख लेता है; लेकिन बुद्धिमान वह है, जो खुद को स्वयं जान लेता है। बुद्धि के बिना सीखा हुआ केवल रटा हुआ होता है, वह किसी काम का नहीं होता। तुम स्वयं को स्वयं ही जानो।' इससे कलाम में नवीन आत्मविश्वास का संचार होता और वे फिर दुगुने उत्साह के साथ अपने लक्ष्य की प्राप्ति में जुट जाते। मद्रास प्रौद्योगिकी संस्थान में पढ़ाई के दौरान ही कलाम को अपनी अप्रकट सोच को मूर्त रूप देने में अपने तीन शिक्षकों—प्रो. स्पांडर, प्रो. के.ए.बी. पनादलाई और प्रो. नरसिंह राव का भरपूर सहयोग मिला। उनके संयुक्त योगदान से पड़ी नींव पर ही आगे चलकर कलाम ने अपना कार्यक्षेत्र बनाया।

मद्रास प्रौद्योगिकी संस्थान से तीसरे वर्ष की पढ़ाई पूरी करने के बाद डॉ. कलाम हिंदुस्तान एयरोनॉटिक्स लिमिटेड में चले गए। वहाँ इन्होंने तकनीकी प्रशिक्षु के रूप में काम किया। हिंदुस्तान एयरोनॉटिक्स लिमिटेड से एक वैमानिकी इंजीनियर बनने के बाद इनके सामने नौकरी के लिए दो बड़े अवसर थे और दोनों ही ऐसे थे, जो इनके उसस्वप्न को साकार कर सकते थे, जो बचपन से इनकी आँखों में पल रहा था। एक अवसर था भारतीय वायुसेना का और दूसरा था रक्षा मंत्रालय के तकनीकी विकास एवं उत्पादन निदेशालय का। कलाम ने पूरी लगन और कड़ी मेहनत से तैयारी की थी। वे भारतीय वायु सेना में अपने चयन हेतु पूरी तरह से आश्वस्त थे।

परंतु उस समय इनकी आश्चर्य-मिश्रित निराशा का ठिकाना न रहा, जब इन्हें पता लगा कि वायु सेना के लिए 25 में से केवल 8 उम्मीदवारों का चयन हुआ है और इनका स्थान नौवाँ है। कलाम को गहरा झटका लगा। ये गहरी निराशा में डूब गए। जल्दी ही ये अपनी निराशा से उबरे। इनका दूसरा अवसर अभी भी इनके हाथ में था, जिसमें ये सफल हुए और भारत सरकार के रक्षा मंत्रालय के तकनीकी विकास एवं उत्पादन निदेशालय में तकनीकी सहायक के रूप में नियुक्त हो गए।

सन् 1960 के दशक में डॉ. कलाम ने विक्रम साराभाई अंतरिक्ष केंद्र, थुंबा (केरल) में काम किया। वहाँ इन्होंने प्रथम स्वदेशी उपग्रह प्रक्षेपण यान के विकास में महत्त्वपूर्ण भूमिका निभाई। उसके बाद सन् 1982 में डॉ. कलाम ने भारत के रक्षा अनुसंधान एवं विकास संगठन में निदेशक के रूप में अपनी सेवाएँ प्रदान कीं। वहाँ इन्होंने 'संयुक्त नियंत्रित प्रक्षेपास्त्र विकास कार्यक्रम' का संचालन किया। बाद में डॉ. कलाम ने रक्षा मंत्री के वैज्ञानिक सलाहकार और प्रधानमंत्री के रक्षा सलाहकार के रूप में भी काम किया। सन्

1998 में पोखरण में किए गए परमाणु परीक्षणों में भी इनकी महत्त्वपूर्ण भूमिका थी। इस सफलता के बाद इन्हें 'मिसाइल मैन' कहा जाने लगा।

डॉ. कलाम प्रत्येक कार्य में अपने सहयोगियों को साथ लेकर चलते। ये उनके विचारों को ध्यानपूर्वक सुनते-समझते। इन्होंने कभी भी अपनी इच्छा को अपने साथियों पर थोपने का प्रयास नहीं किया। ये अपनी टीम में प्रतिबद्धता, विश्वास और आपसी समझ हर हाल में बनाए रखते। इनका सभी के साथ मित्रवत् व्यवहार रहता। अपने इन्हीं गुणों के कारण कलाम हमेशा अपने सहयोगियों के प्रिय पात्र बने रहे। इसके बावजूद इन्होंने व्यक्तिगत जीवन में बहुत कम मित्र बनाए हैं। इनका पूरा जीवन ही इनके कार्यों को समर्पित रहा। इनका कार्य ही इनकी रुचि है और यही इनका मित्र है।

अपने पद से सेवानिवृत्त होने के बाद डॉ. कलाम ने तमिलनाडु के अन्नामलाई विश्वविद्यालय में अध्यापन कार्य शुरू कर दिया।

अनेक रूपों में देश की सेवा करते हुए डॉ. कलाम ने न सिर्फ अपने माता-पिता का, अपना और अपने शिक्षकों का सपना पूरा किया, बल्कि दुनिया के महत्त्वपूर्ण देशों की श्रेणी में भारत का सम्मानित स्थान बनाकर देश का गौरव बढ़ाया।

इनके द्वारा की गई महत्त्वपूर्ण सेवाओं के लिए इन्हें विभिन्न सम्मानों से सम्मानित किया गया है। इन्हें सन् 1981 में 'पद्म भूषण', 1990 में 'पद्म विभूषण'और 1997 में भारत के सर्वोच्च नागरिक सम्मान 'भारत रत्न' से सम्मानित किया गया। इसके अलावा इन्हें 'डॉ. वीरेंद्र रॉय अंतरिक्ष पुरस्कार', 'राष्ट्रीय नेहरू पुरस्कार' और 'आर्यभट्ट पुरस्कार' से भी सम्मानित किया गया है। देश के 28 विश्वविद्यालयों द्वारा इन्हें 'डॉक्टर ऑफ साइंस' की उपाधि भी प्रदान की गई है।

पुरस्कार, मान-सम्मान और प्रतिष्ठा को देखकर निस्संदेह डॉ.कलाम को एक भाग्यशाली व्यक्ति माना जा सकता है; परंतु यह डॉ. कलाम की विशेषता है कि इनमें से कुछ भी इन्हें केवल भाग्य के भरोसे नहीं मिला, बल्कि यह सब इनकी कड़ी मेहनत और दृढ़ इच्छा-शक्ति का परिणाम है। इनके जीवन में भी कदम-कदम पर कठिनाइयाँ आईं। आर्थिक अभाव, इच्छा-शक्ति की क्षीणता, लक्ष्यों की कठोरता, सहयोगियों का असहयोग व कटुता, प्रयासों में विफलताएँ, आलोचकों के व्यंग्य—और भी न जाने कितना कुछ; परंतु इनमें से कुछ भी डॉ. कलाम को अपने लक्ष्य के मार्ग से डिगा नहीं पाया। इसी कारण अपनी हर उपलब्धि के बाद डॉ. कलाम के व्यवहार में विनम्रता बढ़ती ही गई।

वह प्रत्येक कार्य जो इन्हें सौंपा गया, उसे इन्होंने हमेशा पूरी लगन के साथ किया—चाहे वह कार्य एक वैज्ञानिक के रूप में रहा हो, चाहे अध्यापक के रूप में।

अन्नामलाई विश्वविद्यालय में अध्यापन-कार्य के दौरान ही डॉ. कलाम को भारत का बारहवाँ राष्ट्रपति बनाने के लिए नामांकित किया गया। 25 जुलाई, 2002 को ये भारत के बारहवें राष्ट्रपति के रूप में मनोनीत हुए। तत्कालीन मुख्य न्यायाधीश न्यायमूर्ति बी.एन. कृपाल ने इन्हें पद एवं गोपनीयता की शपथ दिलाई।

एक राष्ट्रपति के रूप में अपने कार्यों से डॉ.कलाम ने उन सभी लोगों की आलोचनाओं का करारा जवाब दिया, जो राष्ट्रपति पद पर एक ऐसे वैज्ञानिक को नियुक्त करने का कड़ा विरोध कर रहे थे, जिसकी छवि ही 'मिसाइल मैन' की बनी हुई है। अपने लक्ष्यों के प्रति चट्टानी इरादे रखनेवाले डॉ. कलाम का हृदय भीतर से शिशुओं-सा कोमल है। बच्चों को अपने आस-पास पाकर ये स्वयं को भूलकर उन्हीं का एक हिस्सा बन जाते हैं। बच्चों को ये एक ऐसेबीज के रूप में देखते हैं, जिसमें भविष्य का वट वृक्ष छिपा हुआ है। इनका मानना है कि यही बच्चे 'भारत का भविष्य'हैं। इन्हें अपनी इस युवा पीढ़ी से न केवल कई आशाएँ हैं, वरन् उनपर पूर्ण विश्वास भी है। वे भारत के प्रत्येक बालक को शिक्षित देखना चाहते हैं और उनके लिए उनका संदेश है कि तुम अपनी आँखों को बड़े-बड़े स्वप्न दो और हृदय में उन स्वप्नों को वास्तविकता में बदल डालने का विश्वास पैदा करो; क्योंकि यही सोच हमारे देश को आगे ले जा सकती है।

डॉ. कलाम का विश्वास है कि सन् 2020 तक हमारा देश विकसित देशों की श्रेणी तक पहँुच सकने में समर्थ है। अपने इस विश्वास को मूर्त रूप देने के लिए उनके पास कई योजनाएँ हैं। ये योजनाएँ वास्तव में यथार्थ के धरातल पर ऐसा कर पाने में पूर्णत: सक्षम हैं; लेकिन यह कुछ गिने-चुने भारतीयों की प्रेरणा मात्र से संभव नहीं है, बल्कि इसके लिए प्रत्येक भारतवासी को मिलकर काम करना होगा। डॉ. कलाम का मानना है कि किसी देश की युवा शक्ति की देश के विकास में सबसे महत्त्वपूर्ण भूमिका होती है। इसलिए ये भारत के युवाओं को सबसे शक्तिशाली संसाधन मानते हुए उन्हें एक साथ मिलकर काम करने के लिए प्रेरित करते हैं। वे कहते हैं कि यदि आप एक श्रेष्ठ व्यक्ति हैं तो प्रत्येक कार्य को उत्तम ढंग से कर सकते हैं। प्रमाण-स्वरूप डॉ. कलाम के व्यक्तित्व को ही लिया जाए तो ये स्वयं एक श्रेष्ठ वैज्ञानिक, आदर्श अध्यापक एवं सहयोगी होने के अतिरिक्त एक अच्छे लेखक भी हैं। भारतीय शास्त्रीय संगीत के अच्छे ज्ञाता तो ये हैं ही, उत्तम वीणावादक भी हैं। बागबानी में भी इनकी काफी रुचि है। इन्हें प्रकृति के सान्निध्य में अपार शांति व प्रसन्नता का अनुभव होता है। इन्होंने अपने काम को कभी भी समय की सीमाओं में नहीं बाँधा, फिर भी कुछ बातों को इन्होंने अपनी दिनचर्या का अनिवार्य अंग बनाए रखा, जैसे—सुबह की सैर,

प्रार्थना, योगासन, स्नान से पहले सिर पर नारियल के तेल की मालिश तथा रात को सोने से पहले अनिवार्य रूप से एक गिलास दूध पीना।

ये हमेशा कहते भी हैं कि अपने प्रत्येक क्षण को व्यस्त एवं सार्थक तो रखो, परंतु साथ ही फूलों की खुशबू को महसूस करने और तितलियों के रंगों को देखने का समय भी अवश्य निकालो।

डॉ. कलाम का देश के युवाओं के लिए संदेश है—

'हे भारतीय युवक

ज्ञानी-विज्ञानी,

मानवता के प्रेमी!

संकीर्ण, तुच्छ लक्ष्य

की लालसा पाप है।

मेरे सपने बड़े

मैं मेहनत करूँगा

मेरा देश महान् हो

धनवान् हो गुणवान् हो

यह प्रेरणा का भाव अमूल्य है,

कहीं भी धरती पर

उससे ऊपर या नीचे

दीप जलाए रखूँगा,

जिससे मेरा देश महान् हो।'

मैं कलाम बोल रहा हूँ

अंग्रेजी भाषा

अंग्रेजी आवश्यक है, क्योंकि वर्तमान में विज्ञान का मौलिक कार्य अंग्रेजी में ही हो रहा है। मुझे विश्वास है कि दो दशकों में विज्ञान का मौलिक कार्य हमारी अन्य भाषाओं में होने लगेगा।

❊ ❊ ❊

अंत:करण

अंत:करण एक महान् बही-खाता भी है, जहाँ हमारे अपराध दर्ज होते रहते हैं। यह भयानक चश्मदीद गवाह भी है। यह धमकाता है, वादा करता है, इनाम व दंड देता है और सबकुछ अपने नियंत्रण में रखता है। अगर अंत:करण को एक बार दु:ख पहुँचता है तो यह चेतावनी है और अगर यह दूसरी बार होता है तो निंदा है।

❊ ❊ ❊

अंत:करण आत्मा की ज्योति है, जो हमारे मानसिक हृदय के अंदर जलती रहती है। जब कभी इसे लगता है कि कुछ गलत सोचा जा रहा है या गलत किया जा रहा है तो यह विरोध में आवाज उठाता है।

❊ ❊ ❊

अंतरिक्ष

अंतरिक्ष अनुसंधान में कई सांसारिक समस्याओं का समाधान निहित है।

❊ ❊ ❊

मुझे लगता है कि भविष्य में अंतरिक्ष अनुसंधान में भारत का महत्त्वपूर्ण योगदान अंतरिक्ष के औद्योगिकीकरण पर आधारित चंद्रमा और मंगल के लिए अंतरिक्ष मिशन होगा।

❊ ❊ ❊

भविष्य के अंतरिक्ष अनुसंधान में अंतरिक्ष से पुनर्नवीकृत ऊर्जा की लगातार आपूर्ति के वैश्विक मिशन में भागीदारी से बेहतर और क्या हो सकता है?

❊ ❊ ❊

अंतरिक्ष कार्यक्रम भारत के अरबों लोगों के जीवन को कई तरह से प्रभावित करता आ रहा है।

❊ ❊ ❊

अंतरिक्ष शोध प्रौद्योगिकी-जनित है। यह सही रूप में अंतर-अनुशासनिक है और विज्ञान तथा इंजीनियरिंग के विविध क्षेत्रों के मेल में सही नवीनता की योग्यता देता है। यह लगभग 'हरित प्रौद्योगिकी' है। यह महानतम संपत्ति है, क्योंकि इससे पृथ्वी पर मानवीय जीवन की गुणवत्ता में सुधार हुआ है। प्रत्यक्ष योगदानों के अलावा अंतरिक्ष शोध का नतीजा कॉर्डिएक स्टेंट और दिल में लगाए जानेवाले पेसमेकर जैसे नवीन उत्पादों के डिजाइन करने में भी सामने आता है।

❊ ❊ ❊

चीजें चलाते रहने और मानव जाति के सपनों को प्रौद्योगिकियों के जरिए पूरा करने में अंतरिक्ष अनुसंधान का मुख्य ध्यान रहा है और इस पर मानव जाति को गर्व होना चाहिए।

❊ ❊ ❊

अंतरिक्ष प्रौद्योगिकी का इस्तेमाल ज्वालामुखी फटने, भू-स्खलन, हिमपात, बाढ़, आँधी-तूफान, बवंडरों की भविष्यवाणी करने में भी किया जा सकता है।

❊ ❊ ❊

अंतरिक्ष में शांति

विश्व के अंतरिक्ष समुदाय को बाहरी अंतरिक्ष में सांसारिक भू-राजनीतिक विवादों से बचना चाहिए, जो कि सारी मानव जाति से जुड़ी अंतरिक्षीय संपत्ति के लिए खतरा हो सकते हैं।

❊ ❊ ❊

अंतरिक्ष लक्ष्य 2050

विश्व के अंतरिक्ष लक्ष्य में पाँच क्षेत्र शामिल हैं, जो अंतरिक्ष विज्ञान, प्रौद्योगिकी और उपयोगों के लिए महत्त्वपूर्ण हैं। ये क्षेत्र हैं—अंतरग्रहीय अनुसंधान और अंतरिक्ष औद्योगिकीकरण, अंतरिक्ष तक पहुँचने की लागत में कमी और बड़े पैमाने पर सामाजिक मिशन, अंतरिक्ष उपग्रह सेवा केंद्र, अंतरिक्ष में शांति बनाए रखने की आवश्यकता, अंतरराष्ट्रीय सहयोग से प्रबंधकीय ढाँचा।

विश्व के अंतरिक्ष लक्ष्य 2050 से मानव जीवन की गुणवत्ता सुधरेगी, अंतरिक्ष अनुसंधान की भावना प्रेरित होगी, ज्ञान के क्षितिज का विस्तार होगा और विश्व के सभी राष्ट्रों के लिए अंतरिक्ष की सुरक्षा सुनिश्चित होगी।

❊ ❊ ❊

'अग्नि' मिसाइल

मत समझो अग्नि को

वस्तु मात्र, जो आसमान में जाती है

हर अपशकुन का नाश करे

या शक्ति मात्र दिखलाती है।

यह अग्नि हर भारतवासी के

दिलों को रोशन करती जाती है।

मत समझो इसे मिसाइल मात्र

गौरव है यह देश का,

जो माथा सबका चमकाती है।

❊ ❊ ❊

अध्यवसाय

विचारों और प्रश्न करने की प्रक्रिया नहीं रोकी जा सकती। समस्याओं को हल करने के लिए कार्य करने की आवश्यकता है और इसके लिए कड़ी मेहनत व अध्यवसाय की आवश्यकता होती है।

कड़ी मेहनत और अध्यवसाय सुंदर फरिश्ते हैं, जो हमारे कंधों पर निवास करते हैं।

❊ ❊ ❊

अनुभव

विश्वास और असत्य के बीच अनुभव होते हैं।

❇ ❇ ❇

अनुसंधान

अच्छे शिक्षण से ही अनुसंधान होता है। किसी भी संस्थान के विकास के लिए शिक्षकों का अनुसंधान के प्रति प्यार और अनुसंधान का उनका अनुभव बहुत ही आवश्यक है। किसी भी संस्थान का आकलन उसके अनुसंधान कार्य की मात्रा और स्तर से किया जाता है। इससे उत्कृष्टता का दौर शुरू हो जाता है। अनुसंधान के अनुभव से स्तरीय शिक्षण संभव होता है और स्तरीय शिक्षण से युवाओं को अनुसंधान की ओर उन्मुख करता है।

❇ ❇ ❇

अनेकता में एकता

लोग सभी आस्थाओं के प्रति समान आदर और सहिष्णुता रखे हैं। घृणा और क्रोध की जगह प्रेम और शांति अपनाई जा चुकी है। धर्म आध्यात्मिकता में बदलता है। सभी नागरिक वैश्विक भाईचारा अपनाए हैं।

क्या यह सब स्वप्न है? स्वप्न हमेशा विचार बनते हैं, विचार मिशन में बदलते हैं और मिशन से सैकड़ों लक्ष्याधारित परियोजनाएँ पैदा होती हैं।

❇ ❇ ❇

अपमान

सितारों तक न पहुँच पाने में कोई अपमान नहीं है, अपमान तो अपनी पहुँच में कोई सितारे का न होने में है।

❇ ❇ ❇

अमर जवान ज्योति

‘‘हमारे दिलों में साहस की ज्योति जगाती है

देश में भक्ति की किरण फैलाती है

बलिदान का संदेश देती है

अपने देश में विश्वास जगाती है।

हवा में आशा की लहरें बहाती है

पवित्र और निर्मल दृश्य गुँथे हुए।

उलटी बंदूकों और हेलमेट जैसे टोप

वादा निभानेवाले वीरों की वेदियाँ

शानदार काला ग्रेनाइट और चारों कोनों पर जलती हुई लौ

उनके सार्थक कार्यों की श्रद्धापूर्ण शांति

पुष्पांजलि और आँखों में नमी

अमर जवान ज्योति को हमारा श्रद्धापूर्वक नमन।''

❊ ❊ ❊

अयोग्यता

अयोग्यता का विचार हमारे मन से ही आता है।

❊ ❊ ❊

असंभव

जब लोग किसी कार्य को असंभव बताएँ तो उन पर विश्वास मत करो। कुछ भी असंभव नहीं है।

❊ ❊ ❊

'असंभव' शब्द को शब्दकोश से ही हटा देना चाहिए।

❊ ❊ ❊

आई.ए.एस. प्रशिक्षुओं की शपथ

मेरी जहाँ भी नियुक्ति होगी, मैं वहाँ ग्रामीणों, विशेषकर महिलाओं और विशिष्ट बच्चों के बीच 100 प्रतिशत प्रौढ़ साक्षरता के लिए कार्य करूँगा और यह भी सुनिश्चित करूँगा कि कोई भी बच्चा स्कूल की पढ़ाई अधूरी न छोड़े।

❊ ❊ ❊

मेरी जहाँ भी नियुक्ति होगी, मैं सुनिश्चित करूँगा कि महिलाओं का स्तर सुधरे और गाँवों में पुरुष-महिला जन्मों की समानता लाने के लिए कार्य करूँगा।

❇ ❇ ❇

मैं सुनिश्चित करूँगा कि कोई भी मुझे भ्रष्टाचार का लालच न दे सके।

❇ ❇ ❇

जिलों में नियुक्ति के दौरान मैं सुनिश्चित करूँगा कि कम-से-कम 1 लाख पौधे लगाए जाएँ और उनकी देखरेख की जाए।

❇ ❇ ❇

मैं जिला में कम-से-कम पाँच पी.यू.आर.ए. (ग्रामीण क्षेत्रों में शहरी सुविधाएँ मुहैया कराना) समूह बनाऊँगा और ग्रामीण उद्यमियों द्वारा ग्रामीण उद्यमों के जरिए कम-से-कम 25 प्रतिशत युवाओं को रोजगार के अवसर सृजित करूँगा।

❇ ❇ ❇

आतंकवाद

तेजी से वैश्विक होती जा रही दुनिया में आतंकवाद, कट्टरपंथ और अतिवाद जैसे खतरों व चुनौतियों से अंतरराष्ट्रीय प्रतिबद्धता और सहयोग से निपटा जा सकता है। हम हर तरह के आतंकवाद के खिलाफ मजबूती से खड़े हों।

आतंकवाद वैश्विक शांति और सुरक्षा के लिए गंभीरतम खतरा है और सबसे बुनियादी मानवाधिकार जीवन के अधिकार का उल्लंघन करता है। आतंकवाद की बुराई अंतरराष्ट्रीय सीमाएँ पार कर चुकी है और इससे निपटने के लिए सभी राष्ट्रों को आपस के करीबी सहयोग से काम करना होगा।

हम भारतीय इससे लड़ने के लिए दृढ़ संकल्पित हैं। आतंकवाद अर्थव्यवस्थाओं और हमारी तरह के खुले समाजों के सद्भाव को नष्ट कर सकता है।

❇ ❇ ❇

आत्मा

आत्मा ही स्थान है, कार्यकर्ता है और मानवीय अनुभव की रूपांतरित सामग्री है।

❇ ❇ ❇

आत्मालोचना

आपको स्वयं की आलोचना करनी चाहिए। आपको उस हर बात पर विचार करना चाहिए, जो आपकी सोच का विरोध करती है और आपको कभी कोई गलती छिपानी नहीं चाहिए।

❊ ❊ ❊

आनेवाला कल

अपने बच्चों के भविष्य को बेहतर बनाने के लिए हमें अपने आज का बलिदान करना चाहिए।

❊ ❊ ❊

आपदा

सहयोग के जरिए आपदा से निपटना चाहिए।

❊ ❊ ❊

आम आदमी

हम जिस किसी भी क्षेत्र में काम करते हों, हमें हमेशा आम आदमी की सेवा करते रहना चाहिए। सारे मानवीय ज्ञान और उद्यम के केंद्र में उसी की भलाई होनी चाहिए।

❊ ❊ ❊

आर्थिक विकास

राष्ट्र का आर्थिक विकास प्रतिस्पर्धात्मकता से शासित होता है।

❊ ❊ ❊

प्रतिस्पर्धात्मकता ज्ञान की शक्ति से शासित होती है।

❊ ❊ ❊

ज्ञान की शक्ति प्रौद्योगिकी और नवीनता से शासित होती है।

❊ ❊ ❊

प्रौद्योगिकी और नवीनता संसाधन निवेश से शासित होते हैं।

❊ ❊ ❊

संसाधन निवेश राजस्व और निवेश पर मिलनेवाले प्रतिफल से शासित होता है।

⁂ ⁂ ⁂

राजस्व परिमाण और उपभोक्ताओं की निष्ठा के जरिए बिक्री की बारंबारता से शासित होता है।

⁂ ⁂ ⁂

उपभोक्ताओं की निष्ठा उत्पादों की गुणवत्ता और मूल्य से शासित होती है।

⁂ ⁂ ⁂

उत्पादों की गुणवत्ता और मूल्य कर्मचारियों की उत्पादकता और नवीनता से शासित होती है।

⁂ ⁂ ⁂

कर्मचारियों की उत्पादकता कर्मचारियों की निष्ठा, कर्मचारियों की संतुष्टि और कार्य के माहौल से शासित होती है।

⁂ ⁂ ⁂

कार्य का माहौल प्रबंधन की देखरेख से शासित होता है।

⁂ ⁂ ⁂

प्रबंधन की देखरेख रचनात्मक नेतृत्व से शासित होती है।

⁂ ⁂ ⁂

आशावाद

मेरा विचार है कि युवावस्था में आपका आशावाद अधिक होता है और आपके पास कल्पनाशीलता अधिक होती है। आप पूर्वग्रह से कम ग्रस्त होते हैं।

⁂ ⁂ ⁂

इक्कीसवीं शताब्दी

इक्कीसवीं शताब्दी हमारे द्वारा पैदा किए गए सारे ज्ञान एवं जानकारी के प्रबंधन की और उसमें गुणवत्ता सुधार करने की है।

⁂ ⁂ ⁂

इच्छा-शक्ति

मैंने अपनी असफलताओं से सीखा है और उनका सामना करने के लिए हिम्मत से अपने को मजबूत किया है।

❊ ❊ ❊

इरादा

जब कोई व्यक्ति स्वयं को देखता है तो उसे भ्रम होने की आशंका रहती है। वह सिर्फ अपने इरादे देखता है। अधिकतर लोगों के इरादे अच्छे होते हैं और इससे वे यह निष्कर्ष निकाल लेते हैं कि वे जो कर रहे हैं, अच्छा कर रहे हैं। अपने कार्यों का आकलन कर पाना किसी व्यक्ति के लिए कठिन है, क्योंकि उसके कार्य उसके अच्छे इरादों के विपरीत हो सकते हैं—और अकसर होते भी हैं। अधिकतर लोग करने के इरादे से ही काम हाथ में लेते हैं। अधिकतर लोग काम करने में वह तरीका अपनाते हैं, जो उन्हें सुविधाजनक लगता है और ऐसा करने के बाद शाम को संतुष्टि की भावना के साथ घर चले जाते हैं। वे अपने प्रदर्शन का आकलन नहीं करते, सिर्फ अपना इरादा देखते हैं। ऐसा मान लिया जाता है कि किसी व्यक्ति ने अपना काम समय पर पूरा कर लेने के इरादे से किया है तो किसी तरह की देर होने का कारण उसके नियंत्रण से बाहर होगा। उसका देर करने का कोई इरादा नहीं था। हालाँकि अगर उसके कार्य करने या न करने की वजह से ही देर हुई है तो क्या वह गैर-इरादतन माना जाएगा?

❊ ❊ ❊

ईमानदार और न्यायप्रिय जीवन

राजा से लेकर रंक तक, ईमानदार जीवन जीना सभी के लिए आवश्यक नींव है।

❊ ❊ ❊

हमारा ईमानदार परिश्रम हमें दिशा-निर्देशन देनेवाला प्रकाश है। अगर हम कड़ी मेहनत करेंगे तो हम समृद्ध हो सकेंगे। महान् विचारों को पनपने दो, कार्यों में बदलने दो। ईमानदार तरीके हमारे दिग्दर्शक होंगे।

❊ ❊ ❊

अगर ऊँचे और जिम्मेदार पदों पर बैठे लोग न्यायप्रियता के खिलाफ होंगे तो न्यायप्रियता ही विध्वंसक रूप में बदल जाएगी।

❊ ❊ ❊

न्यायप्रियता शाश्वत भलाई और मानवीय व्यवहार की बेहतरी है। जब हमें विश्व में शांति की आवश्यकता होती है, हमें राष्ट्र में व्यवस्था चाहिए होती है, घर में सद्भाव चाहिए होता है।

❊ ❊ ❊

जब हृदय में ईमानदारी होगी तो चरित्र में सुंदरता होगी।

❊ ❊ ❊

ईश्वर

हमारे सृजक ईश्वर ने हमारे हृदयों और व्यक्तित्वों में महान् संभावनाएँ, शक्ति और योग्यता भर दी है। प्रार्थना से इन शक्तियों को उपयोग में लाने और इनका विकास करने में सहायता मिलती है।

❊ ❊ ❊

ईश्वर ने जिसका वादा किया है, वह हैं—दिन भर के लिए शक्ति, किए गए कार्य के लिए आराम, रास्ते के लिए प्रकाश?

❊ ❊ ❊

इस ग्रह का हरेक जीव ईश्वर ने किसी विशिष्ट कार्य के लिए बनाया है।

❊ ❊ ❊

ईश्वर का संदेश

मानव प्रजाति, तुम मेरी सर्वश्रेष्ठ रचना हो,

तुम जीवन जिओगे और जिओगे;

जब तक तुम एकजुट हो तब तक तुम देते रहोगे, देते रहोगे,

मानवीय सुखों-दु:खों में;

मेरा परमानंद तुम्हारे अंदर रहेगा,

प्यार सतत है;

यह मानवता का मिशन है,

जीवन वृक्ष में तुम हर रोज देखोगे;

तुम सीखोगे और सीखोगे,

मेरी सर्वोत्तम रचना।

❊ ❊ ❊

दु:खों का निवारण ईश्वर का उद्देश्य है।

❊ ❊ ❊

दु:ख-दर्द के निवारण के लिए किया गया सारा कार्य ईश्वर का ही किया हुआ है।

❊ ❊ ❊

ईश्वर से प्रार्थना

सर्वशक्तिमान ईश्वर,

मेरे लोगों को परिश्रमी बनाओ;

उनके परिश्रम से और ज्यादा 'अग्नियाँ' बनने दो,

जो बुराइयों का नाश कर सकें;

मेरे देश को शांतिपूर्वक समृद्ध होने दो;

मेरे लोगों को सद्भाव से रहने दो,

देश के गर्वीले नागरिक के रूप में

मुझे धूल में मिलने दो,

ताकि मैं फिर से उठ खड़ा हो सकूँ और फिर से इसकी महिमा का आनंद उठा सकूँ।

❊ ❊ ❊

मेरे लोगों के मन में विचार पैदा करो

और उन विचारों को कार्य में बदल दो।

नेताओं और लोगों के दिमाग में यह विचार बैठा दो कि राष्ट्र हर चीज से बढ़कर है।

❇ ❇ ❇

मेरे देश के सभी नेताओं को शक्ति प्रदान करो,

और राष्ट्र को शांति व समृद्धि का आशीर्वाद दो।

मेरे सभी धार्मिक नेताओं को शक्ति दो कि वे हमारे अरबों लोगों के मन को एकजुट कर सकें।

❇ ❇ ❇

हे सर्वशक्तिमान! मेरे लोगों को परिश्रम और अपने देश को विकासशील से विकसित राष्ट्र में बदलने का आशीर्वाद दो।

यह दूसरा विचार मेरे लोगों के परिश्रम से सामने आने दो,

और हमारे युवाओं को विकसित भारत में रहने का आशीर्वाद दो।

❇ ❇ ❇

उत्पादकता

उच्च उत्पादकता और आमदनी के लिए वैज्ञानिकों एवं किसानों की भागीदारी आवश्यक है। सबसे महत्त्वपूर्ण काम किसानों को सहकारी संस्थाओं से अच्छी गुणवत्ता के बीज, खाद और कीटनाशक मुहैया कराना है।

❇ ❇ ❇

उद्देश्यहीन गतिविधि

कभी खत्म न होनेवाली उद्देश्यहीन गतिविधि आखिरकार निरर्थक विचारों और कार्यों के एक और चक्र को स्थायी बनाने का असहाय भावनाएँ पैदा कर देती है।

❇ ❇ ❇

उद्यमी

कौशलों की विविधता और कार्य में अध्यवसाय से ही उद्यमी तैयार होते हैं।

❇ ❇ ❇

किसी उद्यमी के मुख्य लक्षण कामना, अभियान, अनुशासन और दृढ़ निश्चय होते हैं।

❇ ❇ ❇

उन्नति

जब सीखना उद्देश्यपूर्ण हो, रचनात्मकता फलती-फूलती है; जब रचनात्मकता फलती-फूलती है तो विचार उत्पन्न होते हैं; जब विचार उत्पन्न होते हैं तो ज्ञान जाग्रत् होता है; जब ज्ञान जाग्रत् होता है तो राष्ट्र उन्नति करता है।

सामूहिक विचार ही उन्नति है।

कमजोरियों के ताकत बनने तक, अंधकार के प्रकाश बनने तक, गलत के सही होने तक आकांक्षा और द्वेष की भावनाएँ दबाकर रखें।

❇ ❇ ❇

ऊर्जा

ऊर्जा के बारे में आत्मनिर्भरता भारत की प्रथम और सबसे महत्त्वपूर्ण प्राथमिकता है। हम इस लक्ष्य को वर्ष 2030 तक हासिल करने के बारे में दृढ़ संकल्पित हैं। ऐसा तीन विभिन्न स्रोतों—पुनर्नवीनीकृत ऊर्जा (सौर, पवन और पनबिजली), परमाणु ऊर्जा जनित विद्युत् ऊर्जा और परिवहन क्षेत्र के लिए जैव ईंधन से किया जाएगा।

❇ ❇ ❇

एन.सी.सी. कैडेटों की शपथ

राष्ट्रीय प्रगति और विकास हमारा लक्ष्य होगा—

❇ ❇ ❇

हम भारत को ज्ञानवान् समाज बनाने के लिए परिश्रम करेंगे।

❇ ❇ ❇

हम आदर्श प्रस्तुत कर अपने देशवासियों को अनुशासित नागरिक बनने में सहायता करेंगे।

❇ ❇ ❇

हम अपने घरों को न्यायप्रिय बनाने, पर्यावरण को स्वच्छ बनाने और पढ़ाई तथा अपने कार्यों में उत्कृष्टता लाने के लिए आंदोलन की रचना करेंगे।

❇ ❇ ❇

हम अपने समाज में महिलाओं पर अन्याय समेत सारी सामाजिक बुराइयों के विरुद्ध लड़ेंगे और अपने समाज में महिलाओं को सम्मानजनक स्थान उपलब्ध कराएँगे।

❊ ❊ ❊

हम ज्ञान और उच्च नैतिक मूल्यों के जरिए समाज से भ्रष्टाचार दूर करेंगे।

❊ ❊ ❊

हम राष्ट्रीय एकता, राष्ट्रीय सुरक्षा और देशभक्ति के जरिए राष्ट्र को मजबूत बनाएँगे।

❊ ❊ ❊

हम बालिकाओं की स्थिति सुधारने के लिए कार्य करेंगे और उन्हें समाज में समान अधिकार उपलब्ध कराएँगे।

❊ ❊ ❊

एम.एस. सुब्बुलक्ष्मी की स्मृति में

तुम संगीत के सातों सुर हो

तुम्हारे संगीत से शांति और गीत मिलते हैं।

संगीत के साथ-साथ तुमने बहुत सारा धन दिया है।

तुमने ईश्वर को भी चमत्कृत किया और

उसे मानव स्वर के महत्त्व का अहसास कराया।

हमारे जैसे हजारों-हजार लोग तुम्हारे आत्मीय संगीत से सराबोर हुए हैं।

तुम्हारे सुमधुर संगीत ने हमारे दिलों को छू लिया है और

80 वर्षों तक तुम वसंत की तरह रहीं।

तुम एक नारी नक्षत्र हो, जिसने मध्यमवती में हार बुना है।

तुम श्रीरागम में अग्रणी बनीं और महान् ऊँचाइयाँ हासिल कीं

भक्ति संगीत से लेकर 'भारत रत्न' तक

तुमने हमें तानसेन के संगीत के महत्त्व का अहसास कराया,

और तुम समय का महान् उपहार हो।

तुम अन्नामाचार्य, पुरंदरदास और कर्नाटक संगीत की त्रिमूर्ति के कीर्तनों में अग्रणी बनीं,

अपने सुरों से तुमने तमिल संगीत का उत्थान किया

अब तुम समय में विलीन हो चुकी हो, फिर भी

तुम्हारा संगीत आनेवाले समय में कायम रहेगा

अब तुम इस दुनिया को छोड़कर स्वर्ग जा चुकी हो, फिर भी

तुम यहाँ रहनेवाले करोड़ों-करोड़ लोगों के दिलों में बसी हो

और तुम दूसरी दुनिया में भी संगीत की धुन लहरा रही होगी।

❊ ❊ ❊

एम.एस. सुब्बुलक्ष्मी को श्रद्धांजलि

तुम्हारे सुंदर कार्यों समेत तुम्हारा संगीत

आनेवाले लंबे समय तक कायम रहेगा;

तुम संगीत में पैदा हुई थीं, संगीत में जीती रहीं,

और अब तुम हमेशा के लिए दैवी संगीत में विलीन हो गई हो।

❊ ❊ ❊

कंप्यूटर और गजट

भविष्य में ज्यादातर कंप्यूटर और गजट बहुत छोटे आकार के, पहनने योग्य होंगे और एक-दूसरे से बेतार के जरिए जुड़े होंगे।

❊ ❊ ❊

कठिनाइयाँ

व्यक्ति के लिए कठिनाइयाँ आवश्यक हैं, क्योंकि सफलता का आनंद उठाने के लिए कठिनाइयों का होना आवश्यक है।

❇ ❇ ❇

कड़ी मेहनत

हम सभी को कड़ी मेहनत करनी चाहिए और हर व्यक्ति के अधिकारों की रक्षा करने के लिए अपने व्यवहार को सभ्य बनाने के उद्देश्य से हमें हरसंभव प्रयास करना चाहिए।

❇ ❇ ❇

कला

कला मानव के अस्तित्व को अर्थ और गहराई प्रदान करते हुए जीवन की सुंदरता को उत्कृष्टतम रूप में सामने लाती है।

❇ ❇ ❇

कला जीवन के अस्तित्व को बनाए रखने में सहायता करती है।

❇ ❇ ❇

कला प्रकृति की आंतरिक सुंदरता की सौम्य अभिव्यक्ति है। कार्टून हो, मूर्तिकला हो या साहित्यिक रचना हो, यह सभी को देखने और आनंद उठाने के लिए जीवन की सुंदर भावना का उन्नयन करती है।

❇ ❇ ❇

कामना

जब आप किसी सितारे की कल्पना करते हैं तो इससे कोई फर्क नहीं पड़ता कि आप कौन हैं; जिस किसी चीज की आपका दिल कामना करता है, वह आपको मिल जाती है।

❇ ❇ ❇

कार्य

कौन से कार्य सबसे बेहतरीन हैं?किसी इनसान के हृदय को प्रफुल्लित करना, किसी भूखे को खाना खिलाना, पीड़ितों की मदद करना, किसी दु:खी के दु:ख को हलका करना, किसी घायल के घावों पर मरहम लगाना!

❇ ❇ ❇

पहले सपने विचारों के रूप में बदलते हैं, इसके बाद विचार कार्यों के रूप में परिणत होते हैं।

❊ ❊ ❊

अच्छे कार्य की हर जगह सराहना होती है।

❊ ❊ ❊

कृषि

कृषि देश की रीढ़ है। देश अपने विकास के लिए प्रतीक्षा नहीं कर सकता।

❊ ❊ ❊

विकास और उत्पादन के लिए कृषि को सेवा-आधारित वृद्धि की आवश्यकता है।

❊ ❊ ❊

सशक्त कृषि सेवा केंद्रों को दो चरणों पर आधारित प्रणाली के जरिए विशेषज्ञों के दल का सहयोग मिलना चाहिए—जिला स्तर पर और राष्ट्रीय स्तर पर।

❊ ❊ ❊

कृषि के कचरे को धन के रूप में बदलने के लिए सांगठनिक कृषि के चलन को अपनाना चाहिए और गाँवों में कचरा भूमि से जैविक ईंधन का उत्पादन ग्रामीण क्षेत्र में मिशन के रूप में अपनाया जाना चाहिए। शैक्षणिक संस्थाएँ, सक्रिय डी.आर.डी.ए. और कृषि उपसंचालक को स्वयंसेवी संगठनों की सहायता से इन कार्यक्रमों को संचालित करना चाहिए।

❊ ❊ ❊

क्षमता निर्माण

क्षमता निर्माण के लिए शिक्षक-छात्र अनुपात में बढ़ोतरी, शिक्षकों के स्तर में सुधार, उन्हें नई-नई पद्धतियाँ उपलब्ध कराना अनिवार्य है, ताकि वे अपने शिक्षण कौशल में सुधार कर सकें, छात्रों को प्रौद्योगिकी संबंधी सहायता उपलब्ध करा सकें और वे आजीवन स्वतंत्र रूप से विद्यार्थी बन सकें।

❊ ❊ ❊

क्षेत्रीय समृद्धि

मूल योग्यताओं की ओर ध्यान देना क्षेत्रीय समृद्धि के लिए आवश्यक है।

❊ ❊ ❊

गाँव

स्वच्छ और हरे गाँवों से ही विकसित गाँव का रास्ता निकलता है। विकसित गाँवों से ही विकसित भारत बनता है।

भारत के सभी 6,00,000 गाँवों को अपना विकास करने का अधिकार मिलना चाहिए और इनको आपस में और शहरी समाज से अच्छी तरह से जुड़ा होना चाहिए।

भारत की शक्ति और संपत्ति गाँवों में ही है।

अगर आप कुछ नहीं करते तो कोई समस्या नहीं होगी। अगर आप कुछ करते हैं तो समस्या होगी। और विचार यह होना चाहिए कि समस्या से पार पाया जाए, न कि उसे अपने ऊपर हावी होने दिया जाए।

आज के गाँवों की बुनियादी आवश्यकताएँ पानी, बिजली, सड़क, स्वच्छता और अस्पताल, शिक्षा एवं रोजगार-सृजन

हैं।

❊ ❊ ❊

गौरव

अपने राष्ट्र की रक्षा करना हमारा गौरव है।

❊ ❊ ❊

ग्राम पंचायत की शपथ

ग्राम पंचायत को स्वच्छ और प्रदूषण-मुक्त बनाने के लिए स्वच्छता को महत्त्व दीजिए।

❊ ❊ ❊

अपने गाँववालों के लिए स्वच्छ और साफ पेयजल की व्यवस्था कीजिए।

❊ ❊ ❊

हरेक ग्राम पंचायत को समृद्ध और आत्मनिर्भर बनाने के लिए अधोसंरचना से जुड़ी आधुनिक सुविधाएँ उपलब्ध कराइए।

❇ ❇ ❇

अपने स्तर पर पूरी कोशिश कीजिए कि हर ग्रामीण साक्षर बन जाए। इसके अलावा, हर लड़के-लड़की को प्रतिदिन स्कूल जाने को प्रेरित कीजिए।

❇ ❇ ❇

गाँवों को जल प्रदूषण की बुराई से दूर रखिए। गंदे पानी का सही तरीके से निपटान किया जाना चाहिए।

❇ ❇ ❇

हरेक ग्राम पंचायत को आत्मनिर्भर बनाने के लिए अपने कर्तव्य को पूरी पारदर्शिता और ईमानदारी से कीजिए।

❇ ❇ ❇

हरेक ग्राम पंचायत को अपराध-मुक्त बनाइए। ग्राम पंचायतों के झगड़े उचित तरीके से निपटाइए।

❇ ❇ ❇

चिंता

न तो चिंता कीजिए और न ही चिढ़िए, न कातर बनिए। अवसरों की तो शुरुआत हुई है। सर्वोत्तम कार्य अभी शुरू नहीं हुए हैं, सर्वोत्तम कार्य अभी नहीं किए गए हैं।

❇ ❇ ❇

चेतना

चेतना बनाई नहीं जाती है, यह तो शाश्वत है, सतत है। यह वास्तव में निरंतरता है। यह मन से परे हैं, जो निस्संदेह हमारा मस्तिष्क ही है।

❇ ❇ ❇

छाया

अवधारणा और रचना के बीच, भावना और प्रतिक्रिया के बीच छाया होती है।

❇ ❇ ❇

छोटे बच्चे

मैं छोटे बच्चों को फिर से विश्वास दिलाना चाहता हूँ कि उन्हें अपने जीवन में जो भी कष्ट मिलेंगे, वे उन्हें संपूर्ण व्यक्ति बनाने में मदद करेंगे और उनसे उन्हें यह समझने में मदद मिलेगी कि वे कौन हैं और किससे उनका संबंध है।

❊ ❊ ❊

जवानों की शपथ

महान् परंपरावाली भारतीय सेना का अंग होने पर मुझे गर्व है।

❊ ❊ ❊

मैं हमेशा जीतूँगा और जीतूँगा और अपने राष्ट्र को विजय दिलाऊँगा।

❊ ❊ ❊

मैं हमेशा उपयोगी नागरिक रहूँगा और जब कभी जरूरत पड़ेगी, मैं अपने देशवासियों की सहायता करूँगा।

❊ ❊ ❊

मैं अपने देश और अपने लोगों की सफलता गर्व से मनाऊँगा।

❊ ❊ ❊

मेरा झंडा मेरा जीवन है।

❊ ❊ ❊

जीवन

जीवन कठिन खेल है। व्यक्ति होने के अपने जन्मसिद्ध अधिकार को कायम रखकर ही आप इसमें जीत सकते हैं।

❊ ❊ ❊

जीवन में कई शक्तियाँ आपके पक्ष में और विपक्ष में काम कर रही हैं। हमें हानिकारक शक्तियों को छोड़कर लाभदायक शक्तियों की पहचान करना आवश्यक है और दोनों में से सही का चयन समझदारीपूर्वक करना चाहिए। हर किसी का जीवन इतिहास का एक पृष्ठ है। इस बात से कोई अंतर नहीं पड़ता कि वह किस पद पर है या क्या काम करता है।

परेशानी यह है कि हम जीवन से जूझते समय उसका विश्लेषण बहुत ही कम करते हैं। लोग अपनी असफलताओं को कारण और प्रभाव के रूप में विभाजित करते हैं, लेकिन

ऐसा बहुत कम होता है कि वे उनसे निपटें और अनुभव हासिल करें, जिससे कि उन असफलताओं का दुहराव न हो। यह मुझे विश्वास है कि कठिनाइयों और समस्याओं के जरिए ईश्वर हमें विकास का अवसर देता है। तो, जब आपकी आशाएँ एवं सपने और लक्ष्य टूटने लगें तो उनके टुकड़ों में खोजो, आपको उन्हीं टुकड़ों में पड़ा सुनहरा अवसर मिलेगा।

❊ ❊ ❊

जीवन का उद्देश्य

समूचे ब्रह्मांड में ऐसा कुछ भी नहीं है, जिसका कोई उद्देश्य न हो। उद्देश्य मानव जीवन का केंद्र-बिंदु है। मानव के अस्तित्व का उद्देश्य सिर्फ भोजन और ऐंद्रिक सुख नहीं है।

❊ ❊ ❊

जीवन का तरीका

हमने किसी पर आक्रमण नहीं किया है। हमने किसी को जीता नहीं है। हमने लोगों की जमीन, संस्कृति, इतिहास पर कब्जा नहीं किया है और किसी पर अपने जीवन जीने का तरीका थोपने की कोशिश नहीं की है।

❊ ❊ ❊

जीवन के तीन स्तंभ

सामाजिक सदस्य के लिए तीन प्रमुख कारक होते हैं, जो उन्हें अलग बनाते हैं। वे हैं— पिता, माता और शिक्षक।

❊ ❊ ❊

जीवन-दर्शन

दीप अलग-अलग हैं,

लेकिन रोशनी एक है।

दुनिया की खुशियाँ तुम दुनिया को लौटाते हो,

तुम अंतरतम में बने रहते हो।

❊ ❊ ❊

जीवन विद्या

जीवन विद्या एक ‘सिखाने योग्य मानवीय मूल्याधारित कौशल’ है, जो कि व्यक्ति के मन में, परिवारों के अंदर, संगठनों के अंदर और सार्वजनिक जीवन में निहित संघर्षों से निपटने के काम आता है। यह अपने आप में और समूचे अस्तित्व में सद्भाव को समझनेवाले आत्मज्ञान के जरिए मानवीय व्यवहार की अस्पष्टता और अनिश्चितता के प्रति सहिष्णुता का विकास करता है। जीवन विद्या की समझदारी भरी समझ मानव की चेतना में पर्याप्त परिवर्तन ला सकती है।

जीवन विद्या संघर्ष-मुक्त, सुखी जीवन के विकास के लिए कम उम्र में शिक्षा की नींव रख सकती है, जिसकी परिणति ‘देने’ की भावना के रूप में होती है।

❊ ❊ ❊

जिले

जिलों को स्वच्छ बनाने के लिए पंचायतों को स्वच्छ बनाइए।

❊ ❊ ❊

ज्ञान

उद्यम के बिना ज्ञान अनुपयोगी और अप्रासंगिक है। उद्यम के साथ ज्ञान से समृद्धि आती है।

❊ ❊ ❊

सभी के विचार सुनने से ज्ञान को बढ़ावा मिलता है।

❊ ❊ ❊

इस ग्रह पर शायद ज्ञात ब्रह्मांड में मानव ही एकमात्र ऐसा प्राणी है, जो ज्ञान की खोज और उसकी वृद्धि में लगा रहता है।

❊ ❊ ❊

सम्मिश्रित ज्ञान बेहतर ज्ञान होता है।

❊ ❊ ❊

ज्ञान क्रांति ही भारत को विकसित राष्ट्र बनाने के लिए नींव होगी।

❊ ❊ ❊

ज्ञान का प्रबंधन व्यक्तिगत प्रभाव-क्षेत्र से बाहर आना ही चाहिए और एक-दूसरे से जुड़े समूहों के प्रभाव-क्षेत्र में जाना चाहिए।

❊ ❊ ❊

मैं विकसित भारत के स्वप्न को साकार करने के लिए ज्ञान की ज्योति जलाए रखूँगा।

❊ ❊ ❊

सीखने से सृजनात्मकता हासिल होती है, रचनात्मकता से विचार पैदा होते हैं, विचारों से ज्ञान हासिल होता है, ज्ञान आपको महान् बनाता है।

❊ ❊ ❊

विचारशीलता आपकी पूँजीगत संपत्ति होनी चाहिए। इससे कोई फर्क नहीं पड़ना चाहिए कि आपके जीवन में क्या उतार-चढ़ाव आते हैं।

❊ ❊ ❊

टिकाऊ विकास

दुनिया भर का राजनीतिक नेतृत्व टिकाऊपन की चुनौतियों के उभरने से निपटने में अक्षम है।

❊ ❊ ❊

अगर उच्चतर शिक्षा भविष्य के नेताओं की प्राथमिक पाठशाला है तो टिकाऊ भविष्य की रचना में इस क्षेत्र की बड़ी भारी जिम्मेदारी बनती है।

❊ ❊ ❊

हर संकाय के स्नातकों को टिकाऊपन के बारे में ठोस कार्य साधक जानकारी होनी चाहिए।

❊ ❊ ❊

डॉक्टर

डॉक्टर मुझे दर्द-निवारक के रूप में दिखते हैं।

❊ ❊ ❊

जिस तरह से हम दीप जलाते हैं, उसी तरह से हमें दुर्घटनाओं से प्रभावितों और पीड़ितों तक मदद पहुँचाने के लिए हर संभव तरीके से काम करना चाहिए और योगदान देना

चाहिए।

❊ ❊ ❊

डॉ. कलाम द्वारा दिलाई गईं तमाम शपथें

भारत के नागरिकों की शपथ

बच्चे हमारी बहुमूल्य दौलत हैं।

❊ ❊ ❊

अपने राष्ट्र के विकास के लिए हमें हर लड़के-लड़की को बिना किसी भेदभाव के समान शिक्षा मुहैया करानी चाहिए।

❊ ❊ ❊

हमें अपनी मेहनत की कमाई जुआ और शराब में नहीं उड़ानी चाहिए।

❊ ❊ ❊

स्वास्थ्य और समृद्धि के लिए हमें परिवार छोटे रखने

चाहिए।

❊ ❊ ❊

हमें अपने बच्चों को शिक्षा के महत्त्व के बारे में सिखाना चाहिए। शिक्षा से ही ज्ञान आता है और ज्ञान से ही बच्चे अपने मिशन में सफल होते हैं।

❊ ❊ ❊

हम सभी को जंगलों की रक्षा करनी चाहिए और प्रदूषण से मुक्ति पानी चाहिए।

❊ ❊ ❊

हम अपने-अपने घरों या आसपास कम-से-कम पाँच पौधे लगाएँगे और जल-संचयन के जरिए हम उन्हें बारिश के पानी से सींचेंगे।

❊ ❊ ❊

हम भारत के विकास और समृद्धि के लिए काम करेंगे।

❊ ❊ ❊

अब से हम कम-से-कम पाँच ऐसे लोगों को पढ़ाएँगे, जो लिख-पढ़ नहीं सकते।

❊ ❊ ❊

जल हमारी संपत्ति है। हम एक-एक बूँद पानी बचाएँगे। हम अपने गाँव या इलाके में ग्रामीण जनों के सहयोग से कम-से-कम एक तालाब बनाएँगे।

❊ ❊ ❊

पर्यटक हमारे अतिथि होते हैं। पर्यटकों को यहाँ का प्रवास सुखद और उद्देश्यपूर्ण बनाने के लिए हम उन्हें हर सहायता उपलब्ध कराएँगे।

❊ ❊ ❊

हम भारतीय विरासत और संस्कृति से जुड़ा न्यायप्रिय जीवन जिएँगे और अपने बच्चों के लिए आदर्श बनेंगे।

❊ ❊ ❊

डॉ. रमन्ना

बुलंद और बहुआयामी व्यक्तित्व के डॉ. रमन्ना देश के विकास के लिए हमेशा सेवाभाव से किसी भी रूप में काम करने को तैयार रहते थे। केंद्रीय मंत्री और सांसद के रूप में उनकी भूमिका इस बात का प्रमाण है।

❊ ❊ ❊

त्रुटियाँ

अपने जीवन-स्तर को बेहतर बनाने के लिए हमें अपनी त्रुटियों से सीखना जरूरी है।

❊ ❊ ❊

दल

दल से परिवेश की रचना होती है; परिवेश से दल को प्रेरणा मिलती है।

❊ ❊ ❊

दवाइयाँ

दवाइयों का क्षेत्र सबसे ज्यादा चुनौती भरा है, जहाँ मानव के दु:ख-दर्द का निवारण मानव की सर्वोत्तम बुद्धिमानी और

सावधानी से किया जाता है। हमारा मिशन मुसकराहट को विश्वास प्रदान करना है।

❊ ❊ ❊

दान

मेरे साथियो, देने से आपके मन और आत्मा को प्रसन्नता मिलती है।

आपके पास देने के लिए सबकुछ है;

अगर आपके पास ज्ञान है तो इसे बाँटिए,

अगर आपके पास संसाधन हैं तो जरूरतमंदों को

उनका इस्तेमाल करने दीजिए;

अपने दिल और दिमाग का इस्तेमाल कीजिए,

पीड़ितों का दर्द हरने के लिए;

और दु:खी दिलों को प्रसन्न करने के लिए,

देने से आपको प्रसन्नता मिलती है;

सर्वशक्तिमान आपको आशीर्वाद दे।

❊ ❊ ❊

दिश्ा-निर्देशन करनेवाली आत्माएँ

मेरे माता-पिता और शिक्षकों के अलावा मुझे प्रभावित और प्रेरित करनेवाले पाँच लोग हैं और वे सभी वैज्ञानिक हैं। मैं उन्हें दिशा-निर्देशन करनेवाली आत्माएँ कहता हूँ। वे हैं— प्रो.विक्रम साराभाई, प्रो. सतीश धवन, प्रो. ब्रह्मप्रकाश, प्रो. एम.जी.के. मेनन और डॉ. राजा रमन्ना।

❊ ❊ ❊

दृढ़ निश्चय

अगर किसी लक्ष्य को हासिल करने का दृढ़ संकल्प है तो व्यक्ति को सफलता जरूर मिलेगी।

❊ ❊ ❊

दृढ़ निश्चय के साथ किए गए प्रयासों से आप पहले से मान्य धारणाओं के विपरीत हमेशा सफलता हासिल कर सकते हैं।

❊ ❊ ❊

हमें कभी उम्मीद नहीं छोड़नी चाहिए और समस्याओं के आगे कभी हार नहीं माननी चाहिए।

❊ ❊ ❊

हर कठिन काम को संभव करके दिखाइए।

❊ ❊ ❊

दृष्टिबाधित

दृष्टि-बाधित लोगों के जीवन को उत्पादक बनाना मानव संसाधनों के क्षेत्र में महान् योगदान होगा।

❊ ❊ ❊

देश

कोई देश उतना ही अच्छा होता है जितने कि अच्छे उसके नागरिक हैं; उनकी प्रकृति, उनके मूल्य और उनके लक्षण देश के स्वरूप में झलकते हैं।

❊ ❊ ❊

देश के युवा

हमारे युवाओं के पास सपने होने चाहिए और उन्हें भारत को विकसित राष्ट्र बनाने के लिए काम करना चाहिए। अपने जीवन में लक्ष्य निर्धारित करके, मुसीबतों से लड़कर और उत्कृष्टता हासिल करके युवा इस मिशन में योगदान कर सकते हैं। विद्यार्थियों को नैतिक मूल्य आत्मसात् करने चाहिए। उन्हें उद्यमी बनने की आकांक्षा करनी चाहिए। छुट्टियों में वे वंचित बच्चों को और बिना पढ़े-लिखों को पढ़ा सकते हैं। वे पौधे लगा सकते हैं और पर्यावरणीय संतुलन सुधारने में मदद कर सकते हैं।

❊ ❊ ❊

धर्म

किसी भी धर्म में अपने अस्तित्व या बढ़ावे के लिए अन्य लोगों की हत्याओं का निर्देश नहीं दिया गया है।

❊ ❊ ❊

नर्सिंग

नर्सिंग एक बहुत ही सुंदर मिशन है।

❊ ❊ ❊

नर्सें

नर्सें मरीजों के परिवारों के लिए शिक्षिकाएँ होती हैं।

❊ ❊ ❊

नवीनता

नवीनता के जरिए ही ज्ञान को धन में बदला जा सकता है।

नवीनता पूँजी है।

नवीनता अरैखिक विकास का प्रमुख साधन है।

❊ ❊ ❊

नशे के दुष्परिणाम

अभिभावकों और शिक्षकों को निरंतर अपने बच्चों के साथ रहना चाहिए और उन्हें नशे के दुष्परिणामों के बारे में बताना चाहिए। कानून लागू करनेवाली संस्थाओं को भी यह सुनिश्चित करना चाहिए कि नशे की सामग्री बेचनेवाले लोग स्कूल-कॉलेजों के इर्द-गिर्द न फटकने पाएँ। इसके अतिरिक्त अभिभावकों को अपने बच्चों को हद से ज्यादा जेब-खर्च नहीं देना चाहिए।

❊ ❊ ❊

नागरिकता

प्रबुद्ध नागरिकता के तीन घटक होते हैं—मूल्य प्रणाली के साथ शिक्षा, आध्यात्मिक बल में बदलता धर्म और विकास के जरिए आर्थिक समृद्धि की रचना।

हर नागरिक को गरिमा के साथ जीवन जीने का अधिकार है; हर नागरिक को प्रतिष्ठा की अभिलाषा रखने का अधिकार है।

❇ ❇ ❇

निर्धनता

जब तक भारत के गरीबी रेखा से नीचे रहनेवाले 26 करोड़ लोगों के चेहरों पर मुसकान नहीं आती, तब तक मैं नहीं थकूँगा।

❇ ❇ ❇

नृत्य और संगीत

नृत्य और संगीत आपको एक अलग स्तर तक उठाते हैं और प्रसन्नता तथा शांति का झोंका प्रदान करते हैं।

❇ ❇ ❇

नृत्य और संगीत को विश्व-शांति सुनिश्चित करने के साधन के रूप में इस्तेमाल किया जा सकता है। यह लोगों को जोड़नेवाली शक्ति के रूप में काम करता है।

❇ ❇ ❇

नेता

नेता भविष्य में दूर तक देखता है।

❇ ❇ ❇

नेता कार्य करनेवालों को सफलता का श्रेय देता है और असफलता का दोष अपने ऊपर लेता है।

❇ ❇ ❇

गुणवान् नेता चुंबक की तरह होता है, जो सर्वोत्तम लोगों को अपनी ओर खींचता है।

❇ ❇ ❇

राष्ट्र में रचनात्मक नेताओं का अनुपात जितना अधिक होगा, 'विकसित भारत' जैसे लक्ष्य को हासिल करने की संभावना उतनी ही अधिक होगी।

❇ ❇ ❇

जब कोई नेता लोगों को सशक्त करता है तो उसी तरह के और नेता तैयार होते हैं, जो स्वयं ही राष्ट्र की तकदीर बदल सकते हैं।

❊ ❊ ❊

मेरे देश के नेताओ, कृपया ज्यादा लोगों से मिलिए और उनकी मदद कीजिए; लेकिन सबसे पहले उन पर ध्यान दीजिए और उन्हें मुख्य धारा में लाइए, जिन्हें आपकी मदद की सबसे ज्यादा आवश्यकता है।

❊ ❊ ❊

उत्पादनशील नेता को भरती करने में बेहद सक्षम होना चाहिए। उसे संगठन में हमेशा नए लोगों को शामिल करते रहना चाहिए। उसे समस्याओं से निपटने में और नए विचार अपनाने में दक्ष होना चाहिए।

❊ ❊ ❊

प्रबुद्ध आध्यात्मिक और वैज्ञानिक नेता मानव जीवन को पवित्र बनाने के लिए प्रयासरत रहते हैं।

❊ ❊ ❊

नेतृत्व

रचनात्मक नेतृत्व कमांडर की भूमिका से प्रशिक्षक की भूमिका में, मैनेजर से गुरु में, निर्देशक से प्रतिनिधि में और आदर चाहनेवाले से आदर अर्जित करनेवाले की भूमिकाओं में तब्दील हो रहा है।

❊ ❊ ❊

नैतिक नेतृत्व को लोगों की आवश्यकता सही काम करने के लिए होती है, जबकि उद्यमशील नेतृत्व को लोगों की आवश्यकता सही काम करने की आदत बनाने के लिए होती है।

❊ ❊ ❊

प्रबुद्ध नेतृत्व का उद्देश्य सशक्तीकरण होता है।

❊ ❊ ❊

समान कमियोंवाले अन्य सदस्यों को ज्ञान बाँटिए और अक्षमताओं की वजह से होनेवाली समस्याओं से उबरने में मदद कीजिए।

प्रभावशाली नेतृत्व अपने अनुयायियों को भागीदारी के विचार से जोड़ता है, जो कि संगठन और व्यापक रूप से समाज को बेहतर बनाता है। अच्छे नेतृत्व को 'सही' मूल्य देना चाहिए। यह सिर्फ सत्य-निष्ठा और विश्वास से ही हो सकता है। इस प्रकार, परिवर्तनकारी नेतृत्व लेन-देनवाले नेतृत्व से बिलकुल अलग होता है, जो कुछ भी करके शक्ति का निर्माण करता है, जिसके नतीजे में अनुयायियों की संख्या बढ़ती है।

आदर्श नेतृत्व के अनुसार नेता वह है, जो अपने संगठन को सकारात्मक दिशा में आगे बढ़ाता है। सही परिस्थितियों में, पर्याप्त पूँजी के साथ, परिणाम न केवल संगठन विशेष के लिए अच्छे हों बल्कि व्यापक रूप में समाज के लिए भी अच्छे हों।

❊ ❊ ❊

नैनोटेक्नोलॉजी

किसी पदार्थ को परमाणु और अणु के स्तर पर सुनियोजित करने और उसके गुणों का इस्तेमाल करने के विज्ञान, नैनोटेक्नोलॉजी है और यह विज्ञान और इंजीनियरिंग की बहुसंख्य विधाओं को व्यापक उपयोगों से एकीकृत करता है। इसका इस्तेमाल सावधानी से करने की आवश्यकता है।

स्मार्ट सामग्री का विकास ही नैनोटेक्नोलॉजी का उपयोग है। इस शब्द का आशय कोई सामान नैनोमीटर के पैमाने पर डिजाइन करने या तैयार करने से है, जो किसी विशिष्ट कार्य के लिए बनाया गया हो।

❊ ❊ ❊

पढ़ना

प्रतिदिन एक घंटे विशेष तौर पर किताबें पढ़ने में लगाइए और कुछ ही वर्षों में आप ज्ञान के भंडार बन जाएँगे।

❊ ❊ ❊

पत्रकारों के लिए ध्यान योग्य क्षेत्र

समाचारों की सटीक रिपोर्टिंग।

❊ ❊ ❊

ग्रामीण परिवेश के लिए वास्तविक घटनाओं की तत्काल रिपोर्टिंग, जैसे मछुआरों के लिए मौसम की खबरें या बाजार में सही प्रकृति के बीजों की उपलब्धता।

❊ ❊ ❊

किसानों, मछुआरों, दस्तकारों की जीवन-शैली और उनकी सामयिक आवश्यकताओं, सफलताओं एवं समस्याओं का वर्णन करना।

❊ ❊ ❊

पंचायतों का प्रदर्शन और उनकी, खासकर पंचायत की, महिला नेताओं की सफलताओं की कहानियाँ प्रसारित करना।

❊ ❊ ❊

क्षेत्र की उन्नति और समस्याएँ—सड़कों की हालत, जलाशयों की स्थिति और परिवहन के साधन।

❊ ❊ ❊

पद-चिह्न

अगर आप समय की रेत पर अपने पद-चिह्न छोड़ना चाहते हैं तो अपने पैरों को घसीटिए मत।

❊ ❊ ❊

परिवर्तन

परिवर्तन निर्णायक होता है। इससे नए विचार सामने आते हैं; नए विचारों से ही नए कार्यों का रास्ता प्रशस्त होता है।

❊ ❊ ❊

पर्यावरण

स्वच्छ पर्यावरण में ही स्वस्थ मस्तिष्क और स्वस्थ शरीर का विकास होता है।

❊ ❊ ❊

पसीना

हमारा पसीना ही विकासशील भारत को विकसित भारत के रूप में बदलेगा।

❊ ❊ ❊

पीड़ा

पीड़ा ही सफलता का मूल तत्त्व है।

❇ ❇ ❇

पी.यू.आर.ए. (ग्रामीण इलाकों में शहरी सुविधाएँ मुहैया कराना)

पी.यू.आर.ए. रोजगार-सृजन को ध्यान में रखकर बनाई गई एक ऐसी एकीकृत योजना है, जिसमें गाँवों के एक समूह की जनता को आवास, स्वास्थ्य-सुविधा, शिक्षा, कौशल-विकास, भौतिक एवं इलेक्ट्रॉनिक संपर्क और एकीकृत तरीके से मार्केटिंग मुहैया कराई जाती है।

❇ ❇ ❇

पुनरावृत्ति

जो कई दशकों से होता आ रहा है, उसकी उसी रूप में पुनरावृत्ति आगे बढ़ने का रास्ता नहीं है।

❇ ❇ ❇

पुलिसकर्मियों की शपथ

मुझे उच्च परंपरावाले पुलिस बल का सदस्य होने पर गर्व

है।

❇ ❇ ❇

मैं हमेशा नागरिकों के प्रति मैत्रीपूर्ण रवैया रखूँगा और हर जगह शांति को बढ़ावा दूँगा।

❇ ❇ ❇

मैं कानून का उल्लंघन करनेवालों के लिए बिजली की चमक और बादलों की गरज के समान खतरा बनूँगा।

❇ ❇ ❇

मैं बुजुर्गों, महिलाओं और बच्चों की हर तरह के अपराधों से रक्षा करूँगा।

❇ ❇ ❇

मैं हर तरह के भ्रष्टाचार से मुक्त ईमानदार जीवन जिऊँगा और दूसरों के लिए अनुकरणीय उदाहरण पेश करूँगा।

❊ ❊ ❊

मेरा राष्ट्र ही मेरा जीवन है।

❊ ❊ ❊

पुस्तक

एक अच्छी पुस्तक महान् ज्ञान का स्रोत है और कई पीढ़ियों के लिए धन का काम करती है।

❊ ❊ ❊

कोई अच्छी पुस्तक मिलना और उसे सहेजकर रखना जीवन को हमेशा के लिए समृद्ध करता है।

❊ ❊ ❊

मेरे जीवन में पाँच किताबें मेरे हृदय के बहुत करीब रही हैं। मैं उन्हें दिल में सँजोए रहता हूँ। वे हैं—'मैन द अननोन' (अज्ञात व्यक्ति), 'तिरुक्कुरल', 'लाइट फ्रॉम मेनी लैंप्स', 'पवित्र कुरान' और 'श्रीमद्भगवद्गीता'।

❊ ❊ ❊

पुस्तकें हमारी शाश्वत साथी हैं। पुस्तकों ने ही मुझे स्वप्न दिए। स्वप्न ही उद्देश्यों के रूप में सामने आए। पुस्तकों ने मुझे अपने उद्देश्य पूरा करने का विश्वास दिया। असफलताओं के समय पुस्तकों ने मुझे हिम्मत दी। वे मेरे लिए फरिश्तों के समान हैं और वे कई बार मेरे दिल को छूती हैं।

❊ ❊ ❊

पेयजल

स्वच्छ पेयजल पाने के चार तरीके हैं—पहला जलापूर्ति का पुनर्वितरण; दूसरा जल की बचत करना और उसकी माँग को कम करना; तीसरा इस्तेमाल किए गए पानी को रिसाइकिल करना और चौथा ताजे जल के नए स्रोतों को तलाश करना।

❊ ❊ ❊

प्रकृति

प्रकृति कभी जल्दबाजी में नहीं रहती। यह लाखों सालों से संचालित होती रहती है। 80 या 100 साल का मानव जीवन पृथ्वी के कार्य की तुलना में एक बहुत सूक्ष्म हिस्सा है। अगर जाग्रतावस्था में रहे या सोता रहे तो मानव का जीवन बेकार ही चला जाएगा।

प्रकृति से प्रेम कीजिए और इससे जुड़ी हर चीज की देखभाल कीजिए, आपको हर जगह ईश्वर मिलेगा।

सामाजिक या राजनीतिक सभी व्यवस्थाओं का आधार व्यक्तियों की भलाई पर ही निर्भर है। कोई राष्ट्र संसद् के कार्यों से नहीं, बल्कि अपने लोगों के महान् या श्रेष्ठ होने से महान् या श्रेष्ठ बनता है।

❊ ❊ ❊

प्रतिष्ठा

दृढ़ विश्वास से हमें शक्ति और प्रतिष्ठा प्राप्त होती है।

❊ ❊ ❊

प्रतिस्पर्धात्मकता

प्रतिस्पर्धात्मकता के तीन आयाम होते हैं—गुणवत्ता, लागत और बाजार में सही समय का ध्यान रखना।

❊ ❊ ❊

प्रतिस्पर्धात्मकता विकसित एवं विकासशील देशों के बीच उभयनिष्ठ कारक है।

❊ ❊ ❊

परिश्रम के राज्य में प्रतिस्पर्धात्मकता मुकुट के समान है।

❊ ❊ ❊

प्रबंधक

नेतृत्व और प्रबंधन—लोगों को संगठित करने के दो अलग-अलग तरीके हैं। प्रबंधक औपचारिक और तार्किक प्रणाली अपनाता है, जबकि नेता उत्साह का इस्तेमाल करता है और भावनाएँ पैदा करता है। नेता वह है, जिसका अनुकरण लोग स्वाभाविक रूप से अपनी पसंद से करते हैं, जबकि प्रबंधक के आदेश मानना बाध्यता होती है। प्रबंधक को उसके अधिकार का पद समय और निष्ठा की वजह से मिलता है, न कि उसके नेतृत्व के

गुणों की वजह से। नेता के पास संगठन का कौशल नहीं होता, लेकिन उसके विचार लोगों को एकजुट करते हैं।

❊ ❊ ❊

प्रबुद्ध नागरिकों की शपथ

मैं जो भी पेशा अपनाऊँगा, उससे प्रेम करूँगा और उसे उत्कृष्ट तरीके से करने की कोशिश करूँगा।

❊ ❊ ❊

आज से ही मैं लिख-पढ़ न सकनेवाले कम-से-कम 10 लोगों को पढ़ाऊँगा।

❊ ❊ ❊

मैं 10 पौधे लगाऊँगा और उनका विकास सुनिश्चित करूँगा।

❊ ❊ ❊

मैं ग्रामीण और शहरी इलाकों में जाकर कम-से-कम 5 लोगों को नशे और जुए की आदत से दूर करूँगा।

❊ ❊ ❊

मैं बीमारों और पीड़ितों की तकलीफें दूर करने की जिम्मेदारी उठाऊँगा।

❊ ❊ ❊

शिक्षा को नैतिक मूल्य-प्रणाली से जोड़कर और धर्म को आध्यात्मिक शक्ति में बदलकर मैं भारत की आर्थिक मजबूती के मिशन को साकार करने में भागीदारी करूँगा।

❊ ❊ ❊

मैं समुदाय या भाषा के आधार पर होनेवाले किसी भेदभाव का समर्थन नहीं करूँगा।

❊ ❊ ❊

मैं हर तरह के भ्रष्टाचार से मुक्त ईमानदार जीवन जिऊँगा और जीवन में पारदर्शिता का रास्ता अपनाने के लिए दूसरों के लिए उदाहरण पेश करूँगा।

❊ ❊ ❊

मैं मानसिक और शारीरिक रूप से चुनौती झेल रहे लोगों का हमेशा मित्र रहूँगा और उन्हें सामान्य महूसस कराने के लिए कड़ी मेहनत करूँगा।

❊ ❊ ❊

मैं अपने देश और अपने लोगों की सफलता पर खुशियाँ मनाऊँगा।

❊ ❊ ❊

प्रबुद्ध मस्तिष्क

युवाओं के प्रबुद्ध मस्तिष्क दुनिया के, दुनिया से ऊपर और दुनिया से नीचे सबसे शक्तिशाली संसाधन हैं।

❊ ❊ ❊

प्रशिक्षण

अयोग्यता मिटाने के लिए प्रशिक्षण महत्त्वपूर्ण शैक्षणिक प्रणाली है।

❊ ❊ ❊

प्रसन्न जीवन जीने की कला

जिम्मेदार, साधारण, ईमानदार और परिश्रमी लोगों को ईश्वर स्वयं सम्मानित करता है; क्योंकि उसका कहना है कि ये लोग उसकी प्रकृति की सर्वोत्तम कृति हैं।

❊ ❊ ❊

कम-से-कम दो गरीब लड़कियों की पढ़ाई में मदद करके उन्हें आत्मनिर्भर बनाइए।

❊ ❊ ❊

किसी के जीवन में रोशनी कीजिए।

❊ ❊ ❊

अपने माता-पिता की सेवा कीजिए, बड़ों का आदर कीजिए और आशीर्वाद लीजिए तथा अपने देश को प्यार कीजिए। इन सबके बिना जीवन अर्थहीन है।

❊ ❊ ❊

ईश्वर की प्रत्येक रचना से प्यार कीजिए।

❇ ❇ ❇

दान उच्चतम और सौम्यतम गुण है; लेकिन इसे पूर्ण बनाने के लिए इसमें क्षमा का योग भी होना चाहिए।

❇ ❇ ❇

दैवी सुंदरता हमारे अंदर प्रविष्ट होनी चाहिए।

❇ ❇ ❇

हर क्षण रचनात्मकता का क्षण है; इसे व्यर्थ मत गँवाइए।

❇ ❇ ❇

धैर्य और सहिष्णुता शक्ति है; इसे मत खोइए।

❇ ❇ ❇

प्रकृति से सीखिए, इसमें हर चीज छिपी है और अपने जीवन को उद्देश्यपूर्ण व सार्थक बनाइए।

❇ ❇ ❇

ये आँखें दुबारा इस दुनिया को नहीं देख पाएँगी; अपनी तरफ से सर्वोत्तम कीजिए।

❇ ❇ ❇

हमें सदैव मुसकराहट का परिधान धारण करना चाहिए और उसकी सुरक्षा के लिए हमारी आत्मा को गुणों का परिधान धारण करना चाहिए।

❇ ❇ ❇

सादगी और कड़ी मेहनत को अपनाइए, सफलता का यही एकमात्र रास्ता है।

❇ ❇ ❇

‘कुरान’ के मुताबिक, सात जन्नतें होती हैं; लेकिन आठवीं जन्नत की रचना उनके लिए की गई है, जो दुनिया में सत्कर्म करते हैं।

❇ ❇ ❇

अपने जीवन में सबसे ऊँचे और सर्वश्रेष्ठ लक्ष्य रखिए।

❇ ❇ ❇

उस सवाल के जवाब के लिए तैयार रहिए, जो ईश्वर सबसे पूछता है—'क्या तुम तुम बन सके?'

❇ ❇ ❇

समय, धैर्य और प्रकृति सबसे अच्छे डॉक्टर होते हैं, जो हर तरह के दर्द को मिटा देते हैं और हर तरह के घावों को भर देते हैं।

❇ ❇ ❇

धैर्य ही शक्ति है। धैर्य और समय शहतूत के पेड़ की एक पत्ती को भी रेशम में बदल सकता है।

❇ ❇ ❇

जब ईश्वर हमारे साथ है तो हमारा कोई कुछ नहीं बिगाड़ सकता।

❇ ❇ ❇

प्रसन्नता

देने से ही आपको प्रसन्नता मिलती है।

हमारी सेवा ही आपकी प्रसन्नता है।

❇ ❇ ❇

प्रौद्योगिकी

प्रौद्योगिकी के रूप में मानवता को एक ऐसा अरैखिक साधन मिला है, जो आर्थिक प्रतिस्पर्धात्मकता के जमीनी नियमों में मूलभूत परिवर्तनों को प्रभावित कर सकता है।

सही संकेत यह है कि प्रौद्योगिकी हमारे राष्ट्र के आर्थिक विकास को बढ़ावा देने जा रही है।

प्रौद्योगिकी का विस्तार ग्रामीण कायापलट के लिए महत्त्वपूर्ण है।

आज प्रौद्योगिकी राष्ट्रीय स्तर पर आर्थिक विकास का मुख्य कारक है। ऐसे में अपनी प्रतिस्पर्धात्मक क्षमता बढ़ाने और अर्थव्यवस्था के सभी क्षेत्रों में राष्ट्रीय संपत्ति पैदा करने के लिए स्वदेशी प्रौद्योगिकी का विकास करना चाहिए। इसलिए, भारत को प्रौद्योगिकी से सुसज्जित करना समय की आवश्यकता है।

❄ ❄ ❄

फूल

उछलते-कूदते मृग, फुदकती बतखें,

डेजी और लिली, कमल और चमेली

जैसे फूलों की खुशबू आत्मा को प्रेरित करती है,

इस जगत् को रहने योग्य बनाती है;

इनसान को वास्तव में इनसान बनाने के लिए।

फूल को देखिए,

कितनी उदारता से यह खुशबू और मधु बाँटता है।

ये सभी को बाँटता है, अपना तत्त्व सबको मुफ्त बाँटता है।

जब इसका काम पूरा हो जाता है, यह चुपचाप गिर जाता है।

फूल की तरह अपनी सारी विशेषताओं के बावजूद

बिलकुल निरभिमानी बनने का प्रयास कीजिए।

❊ ❊ ❊

फूलों की महानता

उगना हमारा स्वभाव है, नष्ट करना उनका स्वभाव है।

हम यहाँ पर दुनिया को ईश्वर का संदेश देने के लिए हैं,

वह अपने महल को हमसे सजाता है;

वह हमें ईश्वर पर चढ़ाता है,

वह अपने प्रिय की माला हमसे ही बनाता है;

हमारे स्पर्श से वह कोमल बनता है,

हमारे स्पर्श से वह विनम्र बनता है।

❊ ❊ ❊

बच्चा

नीति संबंधी आचरण पिता, माता और प्राथमिक स्कूल शिक्षक सिखाते हैं। अगर बच्चे का पालन-पोषण ऐसे परिवेश में होता है तो मुझे विश्वास है कि बच्चे में विपरीत परिस्थितियों के समय भी सही गुण बने रहेंगे।

❊ ❊ ❊

सिखाए जाने पर बच्चे चैतन्य बन जाते हैं।

❊ ❊ ❊

बच्चे हमारा महानतम धन हैं और यह राष्ट्र का दायित्व है कि हर बच्चे को फलने-फूलने का मौका मिले। इस दायित्व को पूरा करने के लिए पहला कदम यही है कि बच्चे के जन्म के तुरंत बाद ही उसकी पहचान की जाए।

❊ ❊ ❊

बच्चों के आदर्श

तुम मन लगाकर पढ़ाई करो।

❊ ❊ ❊

कम-से-कम पाँच पौधे लगाओ।

❊ ❊ ❊

वंचितों और गरीबों के दु:ख-दर्द दूर करने के लिए अपने स्तर पर पूरी कोशिश करो।

❊ ❊ ❊

धर्म, जाति और भाषा के आधार पर किसी के साथ भेदभाव न करो।

❊ ❊ ❊

ईमानदार बनो और भ्रष्टाचार-मुक्त समाज की रचना करो।

❊ ❊ ❊

अपने देश और देशवासियों की सफलता पर खुशियाँ मनाओ।

❊ ❊ ❊

बड़ी सोच

आपके जग का पानी

खारा और नीचा है।

जग को तोड़कर फेंक दीजिए

और नदी की ओर आइए।

❊ ❊ ❊

बलिदान

हम अपने बच्चों के भविष्य को बेहतर बनाने के लिए अपने आज का बलिदान करें।

❊ ❊ ❊

ब्रह्मांड

आकाश की ओर देखिए। हम अकेले नहीं हैं। समूचा ब्रह्मांड हमारे अनुकूल है और सपने देखनेवालों तथा काम करनेवालों को अपना सर्वोत्तम देने के लिए मिलकर काम करता है।

❇ ❇ ❇

भलाई

मुझे विश्वास है कि भलाई एक बुनियादी गुण है। इसके किसी भी समय या किसी भी जगह प्रकट होने की समयहीन संभावना रहती है। यह निष्कलंक अच्छाई है, भ्रष्ट न की जा सकनेवाली अच्छाई है, नष्ट न हो सकनेवाली अच्छाई है। यह किसी व्यक्ति को दी नहीं जा सकती। यह पूरी तरह से बंधन-मुक्त, असीमित और अंतहीन है।

❇ ❇ ❇

भविष्य

किसी अज्ञात भविष्य के लिए जीना तो भ्रम है।

अतीत वर्तमान से मिलता है और भविष्य की रचना करता है।

❇ ❇ ❇

भारत

राज्यों के स्वच्छ होने से ही स्वच्छ और रोग-मुक्त भारत का निर्माण हो सकता है।

जब तक भारत का सिर दुनिया में ऊँचा नहीं होगा, कोई भी हमारा सम्मान नहीं करेगा। इस दुनिया में भय के लिए कोई जगह नहीं है। सिर्फ ताकत ही ताकत का सम्मान करती है।

भारत को ऊर्जा के मामले में आत्मनिर्भरता या तेल, गैस या कोयला के आयात से मुक्त वातावरण में कार्य करनेवाली अर्थव्यवस्था का वास्तविक लक्ष्य हासिल करने की आवश्यकता है।

हम तभी याद किए जाएँगे जब हम नई पीढ़ी को समृद्ध और सुरक्षित भारत देकर जाएँगे, जो कि सभ्यता की विरासत से जुड़ी हुई आर्थिक समृद्धि से ही हो सकता है।

भारत विकासशील देश है। वर्ष 2020 तक यह विकसित देश बन जाएगा। इसका मतलब है कि हम अपना लक्ष्य समझें—गरीबी रेखा से नीचे जीवन-यापन करनेवालों की संख्या लगभग शून्य हो, सभी साक्षर हों, सभी के बेहतर रोजगार के अवसर हों, ग्रामीण और शहरी क्षेत्रों के बीच दीवार बहुत बारीक हो, जिससे कि भारत को आर्थिक रूप में समृद्ध, सुखी और सुरक्षित बनाया जा सके।

भारत हर तरह की मिसाइल और हर तरह का परमाणु हथियार डिजाइन कर सकता है, विकसित कर सकता है और उत्पादन कर सकता है। यह क्षमता अब तक दुनिया के सिर्फ चार देशों के पास ही है।

भारत ज्ञान के युग में प्रवेश कर रहा है। अपने समाज को तेजी से ज्ञान के समाज में बदलने की आवश्यकता है।

हमें दुनिया में सर्वश्रेष्ठ बनने की आकांक्षा रखनी चाहिए। 25 साल से कम उम्र के 54 करोड़ युवाओं की शक्ति हमारे पास है। सबकुछ कर सकने की भावना हमें इनके अंदर जगानी है। ऐसा करने से मुझे विश्वास है कि हमारे युवा विश्व स्तरीय वैज्ञानिक बनेंगे और प्रौद्योगिकी संबंधी आविष्कार कर सकेंगे।

❇ ❇ ❇

भारत के लिए गीत

‘‘भारत के युवा नागरिक के रूप में,

प्रौद्योगिकी, ज्ञान और राष्ट्र के लिए प्रेम से सुसज्जित,

मैं महसूस करता हूँ कि कोई छोटा लक्ष्य रखना अपराध है।

मैं महान् लक्ष्य के लिए कार्य और परिश्रम करूँगा,

लक्ष्य भारत को विकसित राष्ट्र बनाने का,

जिसके पास मूल्य-प्रणालीवाली आर्थिक शक्ति हो।

मैं अरबों नागरिकों में से एक हूँ;

लक्ष्य ही अरबों आत्माओं को जाग्रत् करेगा।

यह मेरे अंदर समा चुका है;

जाग्रत् आत्मा अन्य किसी भी संसाधन की तुलना में

अधिक शक्तिशाली संसाधन है

पृथ्वी पर, पृथ्वी से ऊपर और पृथ्वी के नीचे।

मैं ज्ञान की ज्योति जलाए रखूँगा

लक्ष्य हासिल करने तक

लक्ष्य—विकसित भारत का।’’

❇ ❇ ❇

भावना

जब आप महान् कॉरपोरेट बनना चाहते हैं तो आपको दुर्दमनीय भावना की आवश्यकता पड़ती है। दुर्दमनीय भावना का मुख्य लक्षण उच्चतर लक्ष्यों का विचार आवश्यक रूप से होना है।

❇ ❇ ❇

भूमंडलीकरण

भूमंडलीकरण देशी उद्योगों के लिए बड़ा झटका है। इसका सामना कीजिए। इससे ऊपर उठिए।

❇ ❇ ❇

भ्रष्टाचार

भ्रष्टाचार चेतना पर आक्रमण है।

❇ ❇ ❇

मन

सुंदर मन ही रचनात्मकता का स्रोत है।

हर मन रचनात्मक होता है, हर मन जिज्ञासु होता है।

जाग्रत् मन पृथ्वी का, पृथ्वी से ऊपर और पृथ्वी के नीचे सबसे शक्तिशाली संसाधन है।

मन समुद्र होता है। इसके अंदर कई दुनिया समाई रहती हैं, जो रहस्यमय हैं और धुँधली दिखाई देती हैं।

❇ ❇ ❇

स्वस्थ मन और तन अच्छे विचारों को बढ़ावा देते हैं।

महान् मन और महान् हृदय एक साथ रहते हैं।

❊ ❊ ❊

मरीज

बीमार दिलों का इलाज करने के लिए हमें अच्छे हृदयों की आवश्यकता है। दु:ख दूर करने के लिए हमें मदद करनेवाले हाथ चाहिए और मरीजों को प्रसन्नता देने के लिए हमें सुंदर मनों की आवश्यकता होती है।

❊ ❊ ❊

मस्तिष्क

मस्तिष्क अपने आप में बुद्धिमान नहीं होता। यह तो किसी कंप्यूटर के समान है। आप इसमें प्रोग्राम डालते हैं और यह अपना अन्वेषण शुरू कर देगा; लेकिन आखिरकार, इस खोज का नतीजा हमेशा इसी प्रोग्राम में, इसी दिमाग में ही निहित रहता है। अत: यह कभी कोई नई खोज नहीं करता। मस्तिष्कों में सर्वश्रेष्ठ सिर्फ सुपर कंप्यूटर हैं।

❊ ❊ ❊

महानता

क्षमा से महानता बनती है। महान् नेताओं में बलिदान और क्षमा के गुण होते हैं।

❊ ❊ ❊

महान् आत्माएँ

महान् आत्माएँ राष्ट्र को आशीर्वाद प्रदान करती हैं।

❊ ❊ ❊

महान् ऊँचाइयाँ

लोगों को और देश को महान् ऊँचाइयों तक जाने के लिए महान् नायकों और महान् कार्यों, महान् अभियानों और अतीत की विजयों की स्मृति सँजोए रखना आवश्यक है। ऊँचाइयों तक पहुँचनेवाले सभी राष्ट्रों के अंदर एक मिशन का भाव रहा है।

❊ ❊ ❊

महान् मस्तिष्क

महान् मस्तिष्क ज्ञान बाँटते हैं, जिसकी बदौलत युवा विद्यार्थी कठिन विषयों की ओर आकर्षित होते हैं और आसानी से उनमें महारत हासिल करते हैं।

❊ ❊ ❊

देश के महान् मस्तिष्कों में यह योग्यता होती है कि वे अपने सपनों को वास्तविकता में बदलने के काम में अन्य लोगों को शामिल कर सकते हैं। राष्ट्र उनसे बड़ा होता है और वे हजारों लोगों को अपने सपनों के लिए काम करने में जुटा सकते हैं।

❊ ❊ ❊

महापुरुष

दृढ़ और अटल लोगों को ईश्वर प्रेम करता है। ऐसे लोग होते हैं, जो धैर्य के साथ हर स्थिति का सामना करते हैं और अपने मिशन में लगे रहते हैं—चाहे वह आस्था हो, साम्राज्य हो, गणित हो, संगीत हो या इसी तरह का कोई और कार्य।

❊ ❊ ❊

महिलाएँ

महिलाएँ राष्ट्रीय विकास में बराबर की भागीदार हैं। जब महिलाएँ सशक्त होती हैं तो समाज का स्थायित्व सुनिश्चित होता है।

महिला ईश्वर की सुंदर रचना है। मैंने दो महान् महिलाओं की स्मृति से हमेशा प्रेरणा पाई और अपने को तरोताजा महसूस किया है। उनमें से एक मेरी माँ हैं और दूसरी, 'भारत रत्न' एम.एस. सुब्बुलक्ष्मी हैं।

❊ ❊ ❊

मानव जाति

मुझे विश्वास है कि यह हमारी, पृथ्वी ग्रह की मानव जाति की जिम्मेदारी है कि वे अन्य ग्रहों पर वैकल्पिक रिहाइश की तलाश करें।

❊ ❊ ❊

मानव जीवन

कविताएँ अत्यधिक प्रसन्नता या दु:ख की परिणति होती हैं। सुख और दु:ख दोनों ही स्थितियों में आमतौर पर आँसू निकलते हैं। एक मामले में आँसू मीठे होते हैं तो दूसरे मामले

में वे खारे होते हैं। मानव जीवन दोनों का मिलन है।

❊ ❊ ❊

मानव की दशा दिमागों की ही बनाई हुई है।

❊ ❊ ❊

मानव जीवन का मिशन

फूल खिलते हैं, सुंदरता बिखेरते हैं और खुशबू फैलाते हैं,

और मधु प्रदान करते हैं;

जीवन की संध्या में

फूल चुपचाप गिरकर अपनी मिट्टी में मिल जाते हैं;

हे मेरी रचना! यह मानव जीवन का मिशन है,

तुम पैदा हुए हो, प्रदान करने का जीवन जियो

और मानव जीवन को जोड़े रहो।

तुम्हारा मिशन जीवन वृक्ष है;

मेरी रचना, तुम्हें मेरा आशीर्वाद है।

❊ ❊ ❊

मानव प्रजाति

मानव प्रजाति स्थायी शांति और प्रसन्नता तभी हासिल कर सकती है, जब लोग अपने स्वार्थ से ऊपर उठें और बिना किसी लालच के दूसरों की भलाई के लिए कार्य करें।

❊ ❊ ❊

मिशन

अपने लिए जीत हासिल करने से ज्यादा मायने दूसरों को जीतने में सहायता करना है।

दुनिया के सामने आज हर आँख से आँसू पोंछने का मिशन है।

महान् मिशन महान् मस्तिष्कों की उपज होते हैं।

❇ ❇ ❇

मुसकराहट

मेरा सपना हरेक के चेहरे पर मुसकराहट देखना है।

❇ ❇ ❇

मूल्य-प्रणाली

आर्थिक समृद्धि में मूल्य-प्रणालियाँ और हमारी 5,000 वर्ष पुरानी सभ्यता की विरासत शामिल होनी चाहिए, जो कि भारतीय लोगों में आनुवंशिक रूप से मौजूद है। जब राष्ट्र आर्थिक विकास की ओर बढ़ रहा है तो हमारी सभ्यता की विरासत से तैयार की गई नैतिक मूल्य-प्रणालीवाली शिक्षा आवश्यक है। हमारे जीवन जीने के तरीके से ही अच्छा मानवीय जीवन तय होता है। हमें लगातार कई समस्याएँ झेलनी पड़ सकती हैं, लेकिन अरबों लोगों के आपसी जुड़ाव से हम मजबूती से एकजुट रहते हैं।

❇ ❇ ❇

मृत्यु

मुझे मृत्यु का भय कभी नहीं रहा। आखिरकार, एक दिन सभी को इस दुनिया से जाना ही है।

❇ ❇ ❇

मेरे प्रिय सैनिको

हे सीमा के प्रहरियो!

तुम मेरे वतन के महान् सपूत हो,

जब हम सब सोए होते हैं

तुम तब भी अपने कर्तव्य पर डटे होते हो।

आँधी आए या बर्फ गिरे या

चिलचिलाती धूप हो, उमस भरी किरणें हों,

तुम हर समय सजग रहते हुए रक्षा करते हो।

योगियों की तरह अपार ऊँचाइयों को नापते हुए,

ऊँचाइयों पर चढ़ते हुए या घाटियों को लाँघते हुए

रेगिस्तान की रक्षा करते हो या दलदलों की चौकसी करते हो।

समुद्र की निगरानी और वायु मार्गों को सुरक्षित रखते हो,

अपनी जवानी का सर्वोत्तम हिस्सा राष्ट्र को देते हो।

मेरे वतन की हवा की सुर-लहरियाँ तुम्हारे पैरों को छूती हैं

बहादुरो, हम तुम्हारे लिए प्रार्थना करते हैं

ईश्वर तुम सभी को आशीर्वाद दे।

❊ ❊ ❊

मेरे लोग

याद रखिए, सभी इनसान बराबर बनाए गए हैं,

सृष्टि के रचयिता ने इन सभी को समान अधिकार दिए हैं;

जीवन, स्वतंत्रता और प्रसन्नता की तलाश,

सफलता की रहस्यात्मकता के सूत्र;

अपने कार्य के प्रति प्यार, अपने स्वप्नों में विश्वास,

पृथ्वी की कोई शक्ति तुम्हारे स्वप्न नहीं तोड़ सकती।

मेरे लोगों में विभिन्न विचारधाराओं की सराहना करने की भावना का विकास कीजिए और व्यक्तियों, संगठनों तथा राष्ट्रों के बीच शत्रुता को मैत्री और सद्भाव में बदल दीजिए। लोगों के नेताओं के मन में यह विचार बैठा दीजिए कि राष्ट्र व्यक्तियों से बड़ा होता है। हे ईश्वर! मेरे लोगों को अध्यवसाय का आशीर्वाद दीजिए कि वे देश को शांतिपूर्ण और समृद्ध राष्ट्र बनाएँ।

❊ ❊ ❊

मैं महान् हूँ

मैं ईश्वर की सुंदर रचना हूँ

ईश्वर ने मुझे लगातार सीखने का आशीष दिया है;

ईश्वर की कृपा से मैं सफलता हासिल करूँगा और

महान् मानव बनूँगा।

❊ ❊ ❊

मैं स्वयं

आप किस काम के लिए याद किया जाना चाहते हैं? अपने आपको तैयार कीजिए और अपने जीवन को आकार प्रदान कीजिए। आपको इसे एक पृष्ठ पर लिखना चाहिए और यह पृष्ठ मानव इतिहास का बहुत महत्त्वपूर्ण पृष्ठ होगा।

मैं ईश्वर की संतान हूँ। मेरे साथ जो कुछ भी हो सकता है, उस सबसे ज्यादा महत्त्वपूर्ण मैं हूँ।

मेरे जीवन का मिशन भारत के हमारे विविधता भरे समाज के लोगों के अरबों हृदयों व मनों को एक-दूसरे से जोड़ना है और उनके अंदर यह आत्मविश्वास जगाना है कि वे 'सबकुछ कर सकते हैं।'

मेरा मिशन आंतरिक तौर पर भी और किसी बाहरी हस्तक्षेप से भी अपनी स्वतंत्रता की रक्षा करना है, ताकि भारत को राजनीतिक, आर्थिक और सामाजिक रूप से मजबूत राष्ट्र बनाया जा सके।

❊ ❊ ❊

मोमबत्ती

एक मोमबत्ती से दूसरी मोमबत्ती जलाने में उस मोमबत्ती का कुछ नहीं जाता।

❊ ❊ ❊

युवा

युवा का ज्ञान, उत्साह और कड़ी मेहनत का मिश्रण राष्ट्र की कायापलट के लिए महान् गतिशील ज्वाला है।

❇ ❇ ❇

मैं व्यक्तिगत तौर पर अनुभव करता हूँ कि युवाओं के पास सबसे ज्यादा शक्तिवान् दिमाग होता है। वे नौकरशाही की नकारात्मकता तथा राज्य सरकारों की कुछ आत्मकेंद्रित नीतियों से निपट सकते हैं और देश की जनता को समृद्ध कर सकते हैं। वे राज्यों और केंद्र के बीच समन्वय को भी बेहतर कर सकते हैं। और निश्चित रूप से वे ऐसा करेंगे भी।

❇ ❇ ❇

हरेक भारतीय, विशेषकर युवा, कुछ अलग कर सकते हैं।

❇ ❇ ❇

बच्चे और युवा ही किसी राष्ट्र के भविष्य की तसवीर होते हैं।

❇ ❇ ❇

अगर भारत को वर्ष 2020 तक विकसित बनना है तो यह काम युवाओं के बल पर ही हो सकता है।

❇ ❇ ❇

युवाओं की अभिलाषा विकास को तेज करने और भारत को वर्ष 2020 के पहले विकसित राष्ट्र बनाने की है।

❇ ❇ ❇

विकसित भारत वर्ष 2020 के लिए युवा आंदोलन आवश्यक है। हमें युवाओं को नैतिक मूल्योंवाली शिक्षा और नेतृत्व प्रदान करना होगा।

❇ ❇ ❇

विविध धर्मों, विविध भाषाओं और विविध संस्कृतियोंवाले एक अरब लोकतांत्रिक लोगों की आकांक्षाओं को पूरा करने के लिए आर्थिक रूप से विकसित राष्ट्र बनाने के लिए हमारे पास कार्ययोजना है। हमारे मानव संसाधन, विशेषकर 54 करोड़ युवा उपलब्ध जैव-विविधता और प्राकृतिक संसाधनों के साथ विज्ञान तथा प्रौद्योगिकी का इस्तेमाल करके इस मिशन को साकार करेंगे।

❇ ❇ ❇

युवा, चाहे वे किसी भी देश के हों, शांतिपूर्वक, सुखी, समृद्ध और सुरक्षित राष्ट्र में रहना चाहते हैं।

❇ ❇ ❇

वर्तमान में भारत में 54 करोड़ युवा 25 वर्ष से कम उम्र के हैं, जो वर्ष 2050 तक निरंतर बढ़ते रहेंगे। भारत को ज्ञान-अर्जन, ज्ञान-वितरण, ज्ञान-सृजन और ज्ञान भागीदारी के काम के लिए बहुत सारे उच्च शिक्षित युवाओं की आवश्यकता है।

❇ ❇ ❇

युवाओं को वैज्ञानिक रुझान बढ़ाना चाहिए। उन्हें विवेकपूर्ण विचार, तार्किक रवैया और मानवीयता के अच्छे संतुलन के साथ विचार करना चाहिए।

❇ ❇ ❇

युवाओं की शपथ

मैं लगन से पढ़ाई या कार्य करूँगा और उसमें सर्वोत्तम करूँगा।

अभी से मैं कम-से-कम 10 लोगों को लिखना-पढ़ना सिखाऊँगा।

मैं कम-से-कम 10 पौधे लगाऊँगा और उनका विकास सुनिश्चित करूँगा।

मैं ग्रामीण और शहरी इलाकों में जाऊँगा और कम-से-कम 5 लोगों को नशे और जुए की आदत से दूर करूँगा।

मैं अपने पीड़ित साथियों के दु:ख दूर करने के लिए निरंतर उद्यम करूँगा।

मैं धर्म, जाति या भाषा के आधार पर होनेवाले किसी भी भेदभाव का समर्थन नहीं करूँगा।

मैं ईमानदार रहूँगा और भ्रष्टाचार-मुक्त समाज के निर्माण के लिए कार्य करूँगा।

मैं प्रबुद्ध नागरिक बनने के लिए कार्य करूँगा और अपने परिवार को न्यायप्रिय बनाऊँगा।

मैं मानसिक व शारीरिक रूप से चुनौती झेल रहे लोगों का हमेशा मित्र रहूँगा और उन्हें सामान्य महसूस कराऊँगा।

मैं अपने देश और अपने लोगों की सफलता पर खुशियाँ

मनाऊँगा।

❇ ❇ ❇

रचनात्मकता

अन्य लोगों के समान देखने, लेकिन अलग हटकर सोचने का नाम ही रचनात्मकता है।

❊ ❊ ❊

रचनात्मकता मानवीय सोच की आधारशिला है और मूल्य शृंखला में इसका स्थान हमेशा सर्वोच्च रहेगा।

❊ ❊ ❊

सुंदर परिवेश से ही सुंदर मन की रचना होती है; सुंदर मन में ही रचनात्मकता पैदा होती है।

❊ ❊ ❊

मानव मन की रचनात्मकता और कल्पनाशीलता किसी भी कंप्यूटर से हमेशा बेहतर रहेगी।

मुझे विश्वास है कि मानव मन की रचनात्मकता और उत्कृष्टता हासिल करने के लिए इसका द्वंद्व किसी व्यक्ति के सपनों को साकार कर सकता है।

❊ ❊ ❊

राजस्व घाटा

इन परिवर्तनों से व्यवसाय की लागत कम होने के साथ-साथ राज्य के राजस्व घाटे पर भी बड़ा प्रभाव पड़ेगा।

❊ ❊ ❊

राज्य

स्वच्छ जिलों से ही स्वच्छ राज्य बनते हैं और स्वच्छ राज्यों से ही स्वच्छ देश का रास्ता निकलता है।

❊ ❊ ❊

राष्ट्र

हम सभी को यह सोचने और महसूस करने की आवश्यकता है कि राष्ट्र किसी भी व्यक्ति या संगठन से बड़ा है।

❊ ❊ ❊

कोई राष्ट्र अपने लोगों के सोचने के तरीके से महान् बनता है।

❇ ❇ ❇

राष्ट्र समृद्धि के पथ पर अग्रसर है।

❇ ❇ ❇

यह सुनिश्चित करना आवश्यक है कि नागरिकों को पौष्टिक भोजन, अच्छा आवास, स्वच्छ पर्यावरण, सस्ती स्वास्थ्य सेवा, स्तरीय शिक्षा और उत्पादक रोजगार से युक्त अच्छी गुणवत्ता का जीवन मिले, जो सभ्यता की विरासत के नैतिक मूल्यों की व्यवस्था से जुड़ा हो और राष्ट्र को व्यापक विकास की ओर अग्रसर करे, ताकि अरबों लोगों को मुसकराहट मिल सके।

❇ ❇ ❇

कोई राष्ट्र आर्थिक उन्नति की कमी की वजह से असफल नहीं होता, बल्कि संकुचित दिमागों में निर्णयकर्ताओं की संख्या बढ़ने की वजह से ऐसा होता है।

❇ ❇ ❇

राष्ट्र कई पीढ़ियों से मिलकर बनते हैं।

❇ ❇ ❇

कोई राष्ट्र आर्थिक समृद्धि और रक्षा क्षमता के बल पर ही शक्तिशाली बनता है।

❇ ❇ ❇

राष्ट्र लोगों से बनता है। लोगों के प्रयासों से राष्ट्र वह कर सकता है, जो वह करना चाहता है।

❇ ❇ ❇

राष्ट्र की जनता की आवश्यकताएँ किसी भी अन्य चीज से अधिक बड़ी और अधिक महत्त्वपूर्ण होती हैं।

❇ ❇ ❇

राष्ट्रीय विकास के लिए क्षमता-निर्माण बेहद आवश्यक है।

❇ ❇ ❇

राष्ट्रीय विकास का सूत्र एकीकृत विकास है।

❇ ❇ ❇

राष्ट्रीय समृद्धि सूचकांक सम्मिलित विकास को प्रतिबिंबित करता है।

❇ ❇ ❇

कोई राष्ट्र अपने कुछेक लोगों के महान् होने की वजह से महान् नहीं होता, बल्कि हर राष्ट्रवासी के महान् होने से महान् बनता है। मैं जीवन का एक ऐसा संजाल देखता हूँ, जो हमारे समाज के जमीनी स्तर को जोड़े है और हमारी प्रौद्योगिकी संबंधी शक्ति एवं औद्योगिक समृद्धि मुहैया करा रहा है।

❇ ❇ ❇

राष्ट्र किसी भी व्यक्ति, दल या धर्म की तुलना में अधिक महत्त्वपूर्ण है।

❇ ❇ ❇

किसी राष्ट्र को उसके लोग ही महान् बनाते हैं। उन्हीं के प्रयासों से लोग अपने महान् राष्ट्र के महत्त्वपूर्ण नागरिक बनते हैं। जाग्रत् मन पृथ्वी के सर्वाधिक शक्तिशाली संसाधन होते हैं और हमारे राष्ट्र के एक अरब मन वास्तव में एक महान् शक्ति हैं, जो इस्तेमाल किए जाने की प्रतीक्षा कर रहे हैं।

❇ ❇ ❇

राष्ट्र के लिए विजन

कल्पना और पीढ़ियों के उत्साही और अनथक प्रयासों से राष्ट्र का निर्माण होता है। एक पीढ़ी अपने परिश्रम के फल अगली पीढ़ी को देती है, जो उस मिशन को आगे बढ़ाती है। आनेवाली पीढ़ी के भी अपने सपने और आकांक्षाएँ होती हैं, इसलिए वह भी राष्ट्रीय विजन में अपनी तरफ से कुछ जोड़ती है, जिसे पाने के लिए अगली पीढ़ी कड़ी मेहनत करती है। यह काम चलता रहता है और राष्ट्र गौरव की ऊँचाइयाँ चढ़ता जाता है तथा उच्चतर शक्ति अर्जित करता जाता है। किसी संगठन, समाज या यहाँ तक कि राष्ट्र भी बिना किसी विजन के एक ऐसे जहाज के समान है, जो गहरे समुद्र में बढ़ता जा रहा है, लेकिन उसकी न तो कोई दिशा है और न कोई लक्ष्य।

❇ ❇ ❇

राष्ट्र-सेवा की शपथ

हम भारत को विकसित राष्ट्र बनाने के लिए परिश्रम करेंगे।

❇ ❇ ❇

हम आदर्श बनकर अपने देशवासियों को अनुशासित नागरिक बनने में सहयोग करेंगे।

❇ ❇ ❇

हम अपने घरों को न्यायप्रिय बनाने, पर्यावरण को स्वच्छ बनाने और पढ़ाई तथा अपने कार्यों में उत्कृष्टता लाने के लिए आंदोलन की रचना करेंगे।

❇ ❇ ❇

हम अपने समाज में महिलाओं पर अन्याय समेत सारी सामाजिक बुराइयों के विरुद्ध लड़ेंगे और अपने समाज में महिलाओं को सम्मानजनक स्थान उपलब्ध कराएँगे।

❇ ❇ ❇

हम ज्ञान और उच्च नैतिक मूल्यों के जरिए समाज से भ्रष्टाचार को हटाएँगे।

❇ ❇ ❇

हम राष्ट्रीय एकता, राष्ट्रीय सुरक्षा और देशभक्ति के जरिए राष्ट्र को मजबूत बनाएँगे।

❇ ❇ ❇

हम लोगों को कानून का पालन करने वाले नागरिक बनने के लिए प्रेरित करेंगे।

❇ ❇ ❇

हम जंगलों की कटाई रोकेंगे और नए पौधे लगाकर पर्यावरण की सुरक्षा करेंगे।

❇ ❇ ❇

राष्ट्रीयता

जब किसी राष्ट्र के नेता अपनी विचारशील योजनाओं के जरिए जनता को सशक्त करते हैं तो राष्ट्र की समृद्धि सुनिश्चित है। जब धर्मों को आध्यात्मिक रूप में सशक्त किया जाता है तो समाज में शांति और प्रसन्नता आती है।

❇ ❇ ❇

राष्ट्रीय प्रार्थना

स्वतंत्र भारत के उदय का महान् दृश्य,

आधी रात में दो शताब्दियों से राज करनेवाला झंडा उतर गया,

राष्ट्रगान के बीच लाल किले पर भारतीय तिरंगा झंडा लहराता है।
स्वतंत्र भारत का पहला स्वप्न साकार हो चुका था।
हर तरफ आनंद, हर ओर खुशियाँ,
एक विनम्र पुकार थी—राष्ट्र पिता कहाँ हैं?
सफेद कपड़ों में वह आत्मा दु:ख और दर्द के बीच चली जा रही है,
सांप्रदायिक हिंसा से निकली घृणा और घमंड से दु:खी।
राष्ट्रपिता, महात्मा, नंगे पाँव चलते हुए
बंगाल की गलियों में, शांति और सद्भाव के लिए।
महात्मा की आशीर्वाद प्राप्त आत्मा की शक्ति से
मैं सर्वशक्तिमान से प्रार्थना करता हूँ—दूसरे स्वप्न का उदय कब होगा?
मेरे लोगों के मन में विचार उत्पन्न करो,
और हमारे नेताओं और लोगों के मन में
उन विचारों को इस विचार में बदल दो कि
राष्ट्र हर व्यक्ति से बड़ा है।

मेरे देश के सभी नेताओं को शक्तिवान् बनाओ
और राष्ट्र को शांति व समृद्धि का आशीर्वाद दो,
मेरे सभी धार्मिक नेताओं को शक्ति दो कि वे
हमारे सभी अरबों लोगों में
'दिलों की एकता' पैदा कर सकें।

हे सर्वशक्तिमान! मेरे सभी लोगों को
कड़े परिश्रम का आशीर्वाद दो और

मेरे देश को विकासशील से विकसित राष्ट्र बना दो।

परिश्रम और मेरे लोगों के परिश्रम से दूसरे स्वप्न को प्रकट होने दो,

हमारे युवाओं को विकसित भारत में रहने का आशीर्वाद दो।

❊ ❊ ❊

रूपांतरण

रूपांतरण दूरदृष्टि, नवीन विचारों से भरे मस्तिष्क और राह दिखानेवाली भावना का नतीजा होते हैं।

❊ ❊ ❊

रोल मॉडल

यह कहना धृष्टता नहीं होगी कि मेरा जीवन किसी के लिए रोल मॉडल हो सकता है; लेकिन अँधेरों में रहनेवाले वंचित समाज के कुछ वंचित निर्धन बच्चों को मेरी तरह का जीवन सँवारने में हलकी सांत्वना मिल सकती है।

राष्ट्र में युवाओं-किशोरों को प्रेरित करने के लिए नेतृत्व में रोल मॉडलों की आवश्यकता होती है। देश में संसाधनों और प्रतिभाओं की कोई कमी नहीं है; लेकिन हमें और रचनाशीलता की आवश्यकता है।

❊ ❊ ❊

लक्ष्य

भारत के युवाओं का एक बड़ा लक्ष्य होना ही चाहिए। छोटा लक्ष्य होना तो अपराध है। सदैव ऊँचा उठने के बारे में सोचिए। यही आपका एकमात्र विचार होना चाहिए।

❊ ❊ ❊

आपके पास पर्याप्त लक्ष्य और स्वप्न होने चाहिए। कड़ी मेहनत कीजिए—और आपको वह सब मिलेगा, जो आप चाहते हैं।

❊ ❊ ❊

लेखक

लेखकों का यह विशेषाधिकार है कि वे मानव जाति को मुसीबतों का सामना करने में मदद करें, ताकि वे जीवन में सफलता पा सकें।

❊ ❊ ❊

लेखकों को समाज में अंत:करण को जगाए रखने का काम करना चाहिए।

❊ ❊ ❊

वर्ष 2020

ऐसा राष्ट्र, जहाँ गाँवों और शहरों के बीच की दीवार 7,000 ग्रामीण समूह बनाकर और उनमें शहरी सुविधाएँ उपलब्ध कराकर एकदम क्षीण हो जाएगी।

❊ ❊ ❊

ऐसा राष्ट्र, जहाँ ऊर्जा और स्तरीय पानी का समान वितरण होगा और सभी तक पर्याप्त आपूर्ति होगी।

❊ ❊ ❊

ऐसा राष्ट्र, जिसमें कृषि, उद्योग और सेवा क्षेत्र मिलकर सद्भावनापूर्वक काम करेंगे।

❊ ❊ ❊

ऐसा राष्ट्र, जहाँ नैतिक मूल्य-प्रणालीवाली शिक्षा से किसी भी प्रतिभाशाली उम्मीदवार को सामाजिक या आर्थिक भेदभाव के बल पर वंचित नहीं किया जाएगा।

❊ ❊ ❊

ऐसा राष्ट्र, जो सर्वाधिक प्रतिभाशाली शोधार्थियों, वैज्ञानिकों और निवेशकों के लिए सर्वोत्तम स्थान होगा।

❊ ❊ ❊

ऐसा राष्ट्र, जहाँ पर सभी को सर्वोत्तम स्वास्थ्य सुविधा उपलब्ध होगी।

❊ ❊ ❊

ऐसा राष्ट्र, जहाँ शासन जिम्मेदार, पारदर्शी और भ्रष्टाचार-मुक्त होगा।

❊ ❊ ❊

ऐसा राष्ट्र, जहाँ निर्धनता का पूरी तरह से खात्मा हो गया हो, निरक्षरता मिट चुकी हो और महिलाओं तथा बच्चों पर कोई अत्याचार न होता हो और समाज में कोई भी अलग-थलग महसूस न करता हो।

❊ ❊ ❊

ऐसा राष्ट्र, जो समृद्ध, स्वस्थ, सुरक्षित, शांतिपूर्ण और सुखी हो तथा जो टिकाऊ विकास की राह पर निरंतर बढ़ रहा हो।

❊ ❊ ❊

ऐसा राष्ट्र, जो रहने के लिए सर्वोत्तम जगहों में से एक हो और जिसे अपने नेतृत्व पर गर्व हो।

❊ ❊ ❊

वास्तविक शिक्षण

व्यावहारिक उदाहरण के साथ सैद्धांतिक शिक्षण ही वास्तविक शिक्षण है।

❊ ❊ ❊

विकसित भारत

विकसित भारत का लक्ष्य हासिल करने के लिए तत्काल और साहसपूर्ण राष्ट्रीय आंदोलन की आवश्यकता है। इस आंदोलन में हर नागरिक को, हमारे लोकतंत्र के हर घटक को हिस्सा लेना होगा। नागरिकों की भागीदारी वंचितों तक पहुँचने और जागरूकता फैलाने, जन-सेवाओं के बारे में लोगों की राय जानने, मानव संसाधन विकास, उद्यमशीलता, सामाजिक उत्थान में गृहिणियों के योगदान, पर्यावरण विकास, विकसित भारत को ध्यान में रखते हुए राजनीति में युवाओं की भागीदारी जैसे कई महत्त्वपूर्ण क्षेत्रों में हो सकती है।

❊ ❊ ❊

विकसित भारत मात्र शहरों का राष्ट्र नहीं होगा। इसमें टेली-मेडिसिन, टेली-एजुकेशन (दूरस्थ शिक्षण) और ई-कॉमर्स से सशक्त बने गाँवों का समृद्ध ढाँचा होगा। नए भारत का उदय जैव प्रौद्योगिकी, जीव विज्ञान और कृषि विज्ञान तथा औद्योगिक विकास के संयोग से होगा।

❊ ❊ ❊

मैं विकसित भारत के लक्ष्य को हासिल करने के लिए ज्ञान की ज्योति जलाए रखूँगा।

❇ ❇ ❇

किसी विकसित राष्ट्र का अच्छा संकेत वे लोग होते हैं, जो स्वयं के और वंचितों के बीच की खाई को पाटने के लिए कड़ी मेहनत करते हैं।

❇ ❇ ❇

विकास के केंद्र में युवाओं की आवश्यकताओं, अधिकारों और अपेक्षाओं को रखना हमारी प्राथमिकता होनी चाहिए।

❇ ❇ ❇

विचार

सबसे अत्याधुनिक और परिष्कृत विचार साधारण पंक्तियों से शुरू होते हैं।

❇ ❇ ❇

जिसे असंभव विचार किया गया था, वह हो गया और जिसे संभव माना गया था, वह अब तक नहीं हुआ; लेकिन निश्चित ही वह भी होगा ही।

दूर रहो! लुभावने विचार और मेरी आत्मा को चिढ़ानेवाले विचार अब नहीं! मेरी जागी हुई रातों में सिर्फ काम-ही-काम है; मेरे व्यस्त दिनों में अब भी मुझे रामेश्वरम के समुद्र तटों की याद आती है, जो मेरे सपनों को जगाए रखती है।

विचार बाहर से नहीं आते; न ही भावनाएँ या कल्पनाएँ बाहर से आती हैं। वे हमारी आत्मा से ही आते हैं और आत्मा में ही वापस चले जाते हैं, हमेशा आत्मा में ही रहते हैं।

हमारे विचार सबसे सुनिश्चित चीजें हैं। वे मन में छिपे होते हैं और किसी तालाब की लहरों की तरह समय व अंतरिक्ष में यात्रा करते रहते हैं और हमसे जुड़ी हर चीज को प्रभावित करते हैं। विचार हमारे अनुभव तैयार करने में इकाई का काम करते हैं। दुनिया वही है, जिसे हम अपने विचारों से बनाते हैं।

❇ ❇ ❇

विचारशीलता

विचारशीलता उन्नति है; अविचार विध्वंस हैं। विचार करने से ही कार्य शुरू होते हैं।

❇ ❇ ❇

विचारशीलता आपकी दौलत बननी चाहिए। इस बात से कोई फर्क नहीं पड़ता कि आपके जीवन में कौन-कौन से उतार-चढ़ाव आते हैं।

❊ ❊ ❊

विचार उन्नति है। अविचार किसी भी व्यक्ति, संगठन या देश के लिए जड़ता है।

❊ ❊ ❊

विचार ही सभी आविष्कारों का आधार है, जो प्रगति की ओर ले जाता है।

❊ ❊ ❊

विजन

हम सभी को एक ऐसा राष्ट्र बनाना चाहिए, जो पूरी दुनिया में रहने योग्य सबसे अच्छी जगह हो और जहाँ अरबों चेहरों पर मुसकराहट हो।

हमारे पास सभी भारतीयों को ऊर्जावान् बनाकर और मस्तिष्क जाग्रत् करके भारत को वर्ष 2020 के पहले विकसित राष्ट्र बनाने का विजन है। विकसित भारत के स्वप्न को साकार करने में वैज्ञानिकों और प्रौद्योगिकी विशेषज्ञों का महत्त्वपूर्ण योगदान रहेगा। इस मिशन को साकार करने के लिए हमें बुनियादी विज्ञान, शोध, शिक्षण और शोध के परिणामों को राष्ट्रीय विकास में इस्तेमाल करने के लिए उत्कृष्ट मस्तिष्क चाहिए। इस रूपांतरण में आपसी लाभदायक अंतरराष्ट्रीय सहयोग महत्त्वपूर्ण कारक होगा।

विजन से मस्तिष्क जाग्रत् होते हैं। भारत को जे.आर.डी. टाटा, विक्रम साराभाई, सतीश धवन और डॉ. वर्गीज कुरियन जैसे स्वप्नदर्शी लोगों की आवश्यकता है, जो एक समूची पीढ़ी को मिशन से जुड़े ऐसे अभियानों से जोड़ सकें, जो पूरे देश को फायदा पहुँचाएँ।

आपको सफलता तभी मिल सकती है, जब आपके पास ऐसा विजन हो, जो सपनों में बदल सके, विचारों में बदल सके और कार्यों में बदल सके।

अगले 50 वर्षों तक हमारे सामने तीन चुनौतियाँ हैं—पहली, निर्धनता हटाना; दूसरी, चंद्रमा से सामग्री लाना और अंतिम, मंगल ग्रह पर बस्ती बसाना।

❊ ❊ ❊

विजन 2020

हमारे देश की आबादी 1 अरब हो गई है, जिसमें से 54 करोड़ लोग 25 वर्ष से कम उम्र के हैं। यह राष्ट्रीय शक्ति देश को विकसित देश में बदल सकती है। इसके अलावा, हमारे पास प्राकृतिक संसाधन हैं। भारत को वर्ष 2020 तक विकसित राष्ट्र बनाने के लिए हमारे पास कार्ययोजना भी है—कृषि और कृषि-प्रसंस्करण, शिक्षा और स्वास्थ्य सुविधा, अधोसंरचना, सामरिक प्रणाली और महत्त्वपूर्ण प्रौद्योगिकी के पाँच क्षेत्रों में एकीकृत विकास। 54 करोड़ युवाओं के जाग्रत् मस्तिष्क निश्चित रूप से वर्ष 2020 तक भारत को विकसित देश के रूप में बदल सकते हैं।

❊ ❊ ❊

विजनरी

गलतियों की वजह से किसी व्यक्ति या संगठन के लक्ष्यों को पाने में देर हो सकती है या रुकावट आ सकती है, लेकिन विजनरी व्यक्ति इन गलतियों को नवीनता को बढ़ावा देने और नए विचारों के विकास के अवसर के रूप में इस्तेमाल कर सकता है।

विजनरी नए राष्ट्र का निर्माण कर सकता है।

❊ ❊ ❊

विज्ञान और प्रौद्योगिकी

विज्ञान और इसकी संभावनाएँ असीमित हैं।

आज जिस विज्ञान के साथ हम काम कर रहे हैं, उसको प्रौद्योगिकी का केंद्र बनाने के लिए नवीनता, दूरदृष्टि और विचारशीलता होनी चाहिए, ताकि हम कल का विकास कर सकें।

प्रश्न करने और कड़ी मेहनत तथा अनुसंधान से प्रकृति के नियम-कानूनों के बारे में सही उत्तर तलाशना ही विज्ञान है।

❊ ❊ ❊

विज्ञान एक आजीवन मिशन है।

❊ ❊ ❊

विज्ञान के विकास के लिए वैज्ञानिक उदारता महत्त्वपूर्ण है। इससे वैज्ञानिक समुदाय को प्रेरणा मिलेगी और टीम भावना को बढ़ावा मिलेगा।

❊ ❊ ❊

विज्ञान सामाजिक रूपांतरण की नींव है।

❊ ❊ ❊

विज्ञान चुनौतियों को अवसरों में बदलने का नाम है।

❊ ❊ ❊

विज्ञान का अनुसरण महान् उल्लास और महान् निराशा का मेल है।

❊ ❊ ❊

विज्ञान और अध्यात्म को एक ही दैवी आशीर्वाद की जरूरत होती है, ताकि वे लोगों की भलाई कर सकें।

❊ ❊ ❊

विज्ञान और प्रौद्योगिकी का अध्यात्म की ओर उन्मुखीकरण विज्ञान और प्रौद्योगिकी तथा अध्यात्म दोनों के भविष्य की जानकारी देता है।

मुझे विश्वास है कि बुरे विज्ञान और अच्छे विज्ञान जैसी कोई चीज नहीं होती। विज्ञान वास्तव में सार्वभौम है।

वैज्ञानिक कभी संपूर्ण ज्ञान का दावा नहीं करते। किसी गणितीय उपपत्ति के विपरीत अगर कोई नया प्रमाण मिले तो किसी भी सिद्ध वैज्ञानिक सिद्धांत का पुनराकलन हमेशा किया जा सकता है।

❊ ❊ ❊

विदेशी वस्तुएँ

हमारे देश में लोग विदेशी वस्तुओं के प्रति इतना मोह क्यों रखते हैं? क्या यह उपनिवेश रहने का असर है?हम विदेशी टेलीविजन सेट चाहते हैं। हम विदेशी कमीज चाहते हैं। हम विदेशी प्रौद्योगिकी चाहते हैं। आयात की जानेवाली वस्तुओं के प्रति हमारे अंदर इतना मोह क्यों है?

❊ ❊ ❊

विद्यार्थी

हमेशा याद रखिए कि आपका जीवन में एक निश्चित लक्ष्य होना चाहिए। लक्ष्य को हासिल करने के लिए आप ज्ञान प्राप्त करेंगे, कड़ी मेहनत करेंगे और जब कोई मुसीबत आए तो

आप उसे पराजित करेंगे और सफल होंगे।

❊ ❊ ❊

अपने राष्ट्र के युवा होने के नाते आप अपने सभी कार्यों में सफलता पाने के लिए कड़ी मेहनत कीजिए और दूसरों की सफलता का आनंद लीजिए।

❊ ❊ ❊

अपने आपको, अपने मकान को, अपने आसपास की जगह को, पड़ोस को और पर्यावरण को हमेशा साफ-सुथरा रखिए।

❊ ❊ ❊

आपको अहसास होना चाहिए कि हृदय की शुद्धता से ही चरित्र में सुंदरता आती है, चरित्र में सुंदरता से ही घर में सद्भाव आता है; घर में सद्भाव से राष्ट्र में व्यवस्था आती है और राष्ट्र में व्यवस्था आने से विश्व में शांति स्थापित होती है।

❊ ❊ ❊

आप हर तरह के भ्रष्टाचार से मुक्त ईमानदार जीवन जिएँ और जीवन का न्यायप्रिय तरीका अपनाकर अपने घर समेत दूसरों के लिए उदाहरण पेश कीजिए।

❊ ❊ ❊

आप राष्ट्र में ज्ञान की ज्योति जलाइए और सुनिश्चित कीजिए कि यह हर समय जलती रहे।

❊ ❊ ❊

याद रखिए, किसी कार्य को सर्वोत्तम तरीके से करने से विकसित भारत 2020 के लक्ष्य को हासिल करने में योगदान कर रहे होते हैं।

❊ ❊ ❊

विद्यार्थियों का प्राथमिक ध्यान अपनी पढ़ाई बेहतरीन तरीके से करने का होना चाहिए। राष्ट्र के विकास में यह उनका पहला योगदान होगा। शिक्षा-प्रणाली ऐसी होनी चाहिए, जो विद्यार्थियों के दिमागों में जिज्ञासा, रचनाशीलता, प्रौद्योगिकी, उद्यमिता और नैतिक नेतृत्व की भावना पैदा कर सके। अगर हम अपने सभी विद्यार्थियों में ये पाँच योग्यताएँ विकसित कर सकें तो हम 'स्वायत्त सीखनेवाले', स्व-निर्देशित, स्व-नियंत्रित, आजीवन सीखनेवाले तैयार कर सकेंगे, जिनके पास अधिकारियों का सम्मान करने और साथ ही उचित तरीके से

उनसे सवाल करने की क्षमता होगी। ये वे नेता होंगे, जो स्व-संगठित ढाँचे में मिलकर काम करेंगे और भारत को निश्चित समय-सीमा में विकसित राष्ट्र में बदलेंगे।

❊ ❊ ❊

हमें अपने विद्यार्थियों को ऐसे कौशल प्रदान करने होंगे जिनकी मदद से वे उस ज्ञान के सागर में झाँक सकें, जो हमने जीवनपर्यंत सीखकर बनाया है। हमें ऐसी प्रौद्योगिकी मिली है, जिसकी बदौलत हम कक्षा से बाहर भी आजीवन सीखते रह सकते हैं। देश के टिकाऊ आर्थिक विकास और व्यक्तिगत समृद्धि के लिए इसकी वास्तव में आवश्यकता है।

❊ ❊ ❊

सबसे महत्त्वपूर्ण पाठ और सबसे कड़ी परीक्षाओं का सामना स्कूलों में नहीं, बल्कि बाद के वर्षों में स्कूलों के बाहर ही करना पड़ता है।

❊ ❊ ❊

अच्छे विद्यार्थी बनिए। आप जो भी कीजिए, सर्वोत्तम तरीके से कीजिए। तभी आप देशभक्त कहलाएँगे।

❊ ❊ ❊

विद्यार्थियों की शपथ

मैं लगन से पढ़ाई या कार्य करूँगा और उसमें सर्वोत्तम करूँगा।

❊ ❊ ❊

मैं कम-से-कम 10 लोगों को लिखना-पढ़ना सिखाऊँगा।

❊ ❊ ❊

मैं कम-से-कम 10 पौधे लगाऊँगा और लगातार देखभाल के जरिए उनका विकास सुनिश्चित करूँगा।

❊ ❊ ❊

मैं ग्रामीण और शहरी इलाकों में जाऊँगा और कम-से-कम 5 लोगों को नशे व जुए की आदत से हमेशा के लिए दूर करूँगा।

❊ ❊ ❊

मैं अपने पीड़ित साथियों के दु:ख दूर करने के लिए निरंतर उद्यम करूँगा।

❊ ❊ ❊

मैं संप्रदाय या भाषा के आधार पर होनेवाले किसी भी भेदभाव का समर्थन नहीं करूँगा।

❊ ❊ ❊

मैं प्रबुद्ध नागरिक बनने के लिए कार्य करूँगा।

❊ ❊ ❊

मैं मानसिक और शारीरिक रूप से चुनौती झेल रहे लोगों का हमेशा मित्र रहूँगा और उन्हें सामान्य महसूस कराने के लिए कड़ी मेहनत करूँगा।

❊ ❊ ❊

मैं अपने देश और अपने लोगों की सफलता पर गर्व से खुशियाँ मनाऊँगा।

❊ ❊ ❊

विपत्तियाँ

विपत्तियों से निपटते समय साहस से काम लेना चाहिए।

❊ ❊ ❊

विमान से नीचे की ओर देखना

मेरी योग्यता मेरा संदेह—

उसकी योग्यता—सब मेरा भय—

जिस गुण के विपरीत है

वह हालाँकि प्रकट होती है।

❊ ❊ ❊

विरासत

समृद्धि की ऐसी सकारात्मक विरासत हमारा अधिकार और दायित्व है, जिसके लिए हम सभी याद किए जाएँगे।

❊ ❊ ❊

विशिष्ट योग्यताओंवाले लोगों की शपथ

मैं अपनी विशिष्ट योग्यताओं को अपनी उन्नति के रास्ते में बाधा नहीं बनने दूँगा।

❊ ❊ ❊

मैं कड़ी मेहनत करूँगा और जब कोई मुसीबत आएगी, मैं उसे पराजित करूँगा और सफल होऊँगा।

❊ ❊ ❊

मैं ज्ञान हासिल करके हर क्षेत्र में बेहतरीन कार्य करूँगा।

❊ ❊ ❊

मैं ज्ञान बाँटकर और अक्षमता के कारण पैदा होने वाली समस्याओं से निपटने के लिए साहस जुटाने में सहायता करके समान अक्षमताओंवाले लोगों की सहायता करूँगा।

❊ ❊ ❊

मैं हमेशा अपने घर, अपने आसपास के स्थान, पड़ोस और पर्यावरण को साफ-सुथरा रखूँगा।

❊ ❊ ❊

मैं हमेशा अपने साथियों और मित्रों की सफलता पर खुशियाँ मनाऊँगा।

❊ ❊ ❊

हम सभी ईश्वर की संतानें हैं। हमारे मन हीरे से भी अधिक मजबूत हैं। हम अपने ईश्वर की इच्छा से जीतेंगे, जीतेंगे और जीतेंगे। जब ईश्वर हमारे साथ है तो कौन हमारे विरुद्ध हो सकता है!

❊ ❊ ❊

शक्ति

शक्ति ही शक्ति का सम्मान करती है।

ऊँचाइयों तक पहुँचने के लिए शक्ति की आवश्यकता होती है। वह ऊँचाई चाहे माउंट एवरेस्ट की चोटी हो या आपके कैरियर की ऊँचाई।

❊ ❊ ❊

शांति

शांति कायम रखने के लिए हमें मजबूत होना पड़ता है। हम जो कुछ भी करते हैं, वह क्षमता-निर्माण के लिए कर रहे हैं। हमारी नीति 'पहले इस्तेमाल न करने' की है।

❊ ❊ ❊

शारीरिक रूप से बाधाएँ झेल रहे बच्चों के लिए कविता

हम ईश्वर की संतानें हैं

हमारे मन हीरों से भी ज्यादा मजबूत हैं

हम जीतेंगे, ईश्वर की कृपा से जीतेंगे

जब ईश्वर हमारे साथ है

तो कौन हमारे विरुद्ध हो सकता है।

❊ ❊ ❊

शिक्षकों की शपथ

सबसे पहले मैं अध्यापन को प्यार करूँगा। अध्यापन मेरी आत्मा है।

❊ ❊ ❊

मैं महसूस करता हूँ कि मैं सिर्फ विद्यार्थियों को ही नहीं, बल्कि जाग्रत् युवाओं को गढ़ने के लिए भी जिम्मेदार हूँ, जो कि पृथ्वी पर, पृथ्वी के ऊपर और पृथ्वी के नीचे सबसे शक्तिशाली संसाधन हैं। मैं शिक्षण के महान् मिशन के लिए पूरी तरह से प्रतिबद्ध रहूँगा।

❊ ❊ ❊

मैं अपने आपको महान् शिक्षक बनाना चाहूँगा, ताकि मैं अपने विशिष्ट शिक्षण से अपने प्रदर्शन को औसत से उठाकर सर्वोत्तम बना सकूँ।

❊ ❊ ❊

मैं अपने जीवन को इस तरह से संगठित और संचालित करूँगा कि मेरा जीवन स्वयं में मेरे विद्यार्थियों के लिए संदेश बन सके।

❊ ❊ ❊

मैं अपने विद्यार्थियों और बच्चों को सवाल करने के लिए प्रोत्साहित करूँगा और उनके अंदर जिज्ञासा की भावना विकसित करूँगा, ताकि वे रचनाशील जाग्रत् नागरिक बन सकें।

❊ ❊ ❊

मैं अपने सभी विद्यार्थियों से एक समान व्यवहार करूँगा और धर्म, समुदाय या भाषा के आधार पर उनमें किसी भी तरह के भेदभाव का समर्थन नहीं करूँगा।

❊ ❊ ❊

मैं शिक्षण में निरंतर क्षमताओं का निर्माण करूँगा, ताकि मैं अपने विद्यार्थियों को स्तरीय शिक्षा दे सकूँ।

❊ ❊ ❊

मैं अपने विद्यार्थियों की सफलता को महान् उत्साह के साथ मनाऊँगा।

❊ ❊ ❊

मैं महसूस करता हूँ कि एक शिक्षक होने के नाते मैं सभी राष्ट्रीय विकास कार्यों में महत्त्वपूर्ण योगदान दे रहा हूँ।

❊ ❊ ❊

मैं अपने मन को महान् विचारों से परिपूर्ण बनाने के लिए निरंतर प्रयास करूँगा और विचारों तथा कार्यों में शुद्धता का प्रसार करूँगा।

❊ ❊ ❊

शिक्षा

बचपन में दी गई शिक्षा और नैतिक मूल्य कॉलेज एवं विश्वविद्यालयों में दी जानेवाली शिक्षा से ज्यादा महत्त्वपूर्ण है।

❊ ❊ ❊

अच्छी शिक्षा-पद्धति समय की आवश्यकता है, ताकि विद्यार्थियों का प्रबुद्ध नागरिक के रूप में विकसित होना सुनिश्चित किया जा सके और उनकी राष्ट्रीय विकास योजनाओं में भागीदारी भी हो सके।

❊ ❊ ❊

सभी स्कूल-कॉलेजों में नैतिक विज्ञान को शिक्षा में शामिल किए जाने की आवश्यकता है। प्रबुद्ध नागरिक बनानेवाली नैतिक मूल्याधारित शिक्षा को बढ़ावा देने के लिए यह आवश्यक है।

❊ ❊ ❊

नैतिक मूल्यों की पद्धतिवाली शिक्षा से प्रबुद्ध नागरिक बनते हैं।

❊ ❊ ❊

शिक्षा का उद्देश्य क्षमता निर्माण करना है।

❊ ❊ ❊

शैक्षणिक संस्थाओं में पर्याप्त कंप्यूटर आधारित उपकरण, प्रयोगशालाओं के उपकरण, उच्च बैंडविड्थ कनेक्टिविटीवाली इंटरनेट सुविधाएँ होनी चाहिए और उनमें ऐसा माहौल होना चाहिए, जिससे विद्यार्थियों की सीखने की क्षमता बढ़ सके।

❊ ❊ ❊

शिक्षा-शास्त्रियों को विद्यार्थियों के बीच जानने की भावना की क्षमताएँ, रचनात्मकता, उद्यमशीलता एवं नैतिक नेतृत्व का निर्माण करना चाहिए और उनका आदर्श बनना चाहिए।

❊ ❊ ❊

हमारी शैक्षणिक प्रणाली को जल्द-से-जल्द इस तरह का स्वरूप दिया जाना चाहिए कि वह आधुनिक समय की चुनौतियों से निपटने में सक्षम हो और प्रतिस्पर्धात्मकता के लिए सबसे बड़ी आवश्यकता नवीनता के जरिए सामाजिक परिवर्तन में भागीदारी के लिए पूरी रफ्तार से काम कर सके।

❊ ❊ ❊

असली शिक्षा वह है जिसके जरिए लोगों के अंदर यह विचार पैदा हो कि वे राष्ट्र के लिए क्या कर सकते हैं।

❊ ❊ ❊

शुभचिंतक

अपने सहयोगियों और मित्रों की सफलता का हमेशा आनंद लीजिए।

❊ ❊ ❊

संगीत

संगीत बहुत अच्छा संदेशवाहक है और भाषा कभी बाधा नहीं बन सकती।

संगीत मनों को जोड़ता है। यह शरीर और आत्मा में प्रवेश करता है और प्रसन्नता को बढ़ाता है।

संगीत आत्मा के अंदर प्रवेश करता है और प्रसन्नता तथा दया फैलाता है।

❊ ❊ ❊

संघर्ष

आंतरिक संघर्ष हिंसा का मूल तत्त्व होता है।

❊ ❊ ❊

संचार माध्यमों के आदर्श

संचार माध्यम विकास के सहभागी हैं।

❊ ❊ ❊

संचार माध्यमों को ग्रामीण क्षेत्रों की उन्नति और समस्याओं की रिपोर्टिंग करते समय संवेदनशील रहना चाहिए। देश में 22 करोड़ की आबादी गरीबी रेखा से नीचे है। यह संख्या कम करने के लिए हमारी व्यवस्था की प्रभावोत्पादकता के आकलन के लिए संचार माध्यमों को लगातार निगरानी करनी चाहिए और समय-समय पर रिपोर्टिंग करते रहना चाहिए।

❊ ❊ ❊

संचार माध्यम राष्ट्रीय सफलताओं, विशेषकर ग्रामीण क्षेत्र की सफलताओं का प्रचार कर सकता है। ये महान् प्रेरक की भूमिका अदा कर सकता है और देश के अन्य स्थानों पर ऐसी ही सफलता पाने का उत्साह फैला सकता है।

❊ ❊ ❊

संतुष्टि

जब तक आपको संतोषजनक उत्तर न मिल जाए, तब तक प्रश्न करते रहिए।

❊ ❊ ❊

संपत्ति

किसी भी देश की बहुमूल्य संपत्ति उसके निवासियों का कौशल, प्रवीणता और कल्पनाशीलता ही होते हैं।

❊ ❊ ❊

संपर्क

संपर्क ही शक्ति है; संपर्क ही धन है; संपर्क ही उन्नति है। संपर्क से ही समाज समृद्ध होता है।

❊ ❊ ❊

संस्कृति

संस्कृतियाँ बहुवर्णी शीशे होती हैं। जिस तरह से ये शीशे रंगहीन रोशनी को रंगीन बनाते हैं, उसी तरह से संस्कृतियाँ मानवीय सार को रंगीन बनाती हैं।

❊ ❊ ❊

संस्थाएँ

संस्थाएँ मूल्य-सृजन कर सकती हैं, धन जोड़ सकती हैं और महान् मानव संसाधनों का विकास कर सकती हैं।

❊ ❊ ❊

सच्चरित्र व्यक्ति

सच्चरित्र व्यक्ति ही अंत:करण के औजार का इस्तेमाल कर सकता है।

❊ ❊ ❊

सच्चाई

जब आप बोलें, सत्य बोलें; जब कोई वादा करें तो उसे पूरा करें; अपने भरोसे को कायम रखें। जो गैर-कानूनी और बुरा है, उसे करने से अपने हाथों को रोकिए।

❊ ❊ ❊

सच्ची भावना

यह मेरा व्यक्तिगत अनुभव रहा है कि सच्ची सुगंध, वास्तविक आनंद और निरंतर उत्साह किसी काम को करने की प्रक्रिया में निहित है, न कि कोई काम किया हुआ मिलने में।

सफल मिशनों में शामिल चार कारक मैंने देखे—लक्ष्य-निर्धारण, सकारात्मक सोच, विचारशीलता और विश्वास।

❇ ❇ ❇

सत्यनिष्ठा

अगर आपके पास सत्य-निष्ठा है तो अन्य कोई बात मायने नहीं रखती। अगर आपके पास सत्य-निष्ठा नहीं है तो फिर कोई बात मायने नहीं रखती।

❇ ❇ ❇

सफलता

सभी मिशनों में सफलता के लिए हमें रचनाशील नेतृत्व चाहिए।

❇ ❇ ❇

अगर किसी के जीवन में कोई पवित्र लक्ष्य है तो सारी बाधाओं और रुकावटों के बावजूद लक्ष्य की चमक और हमारा अध्यवसाय हमारे लक्ष्यों को पल्लवित करेगा, आसपास की सारी कठिनाइयों के बावजूद सफलता की ओर ले जाएगा।

❇ ❇ ❇

सफलता हमेशा स्वप्नों के बाद मिलती है, चाहे उसमें कुछ बाधाएँ भले ही आएँ या देर भले ही हो जाए।

❇ ❇ ❇

सफलता की साँस लीजिए। मैं चाहता हूँ कि युवा सपने देखें और ऊँचे लक्ष्य बनाएँ तथा देश की कायापलट के लिए कार्य करें।

❇ ❇ ❇

मिशन से ही सफलता निर्धारित होती है। जीवन में मिशन या सेवाभाव तीन महान् कार्यों से संचालित होता है। ये तीन महान् कार्य हैं—ज्ञान-प्राप्ति, कड़ी मेहनत और अध्यवसाय। ज्ञान महान् शिक्षकों और महान् पुस्तकों से मिलता है। कड़ी मेहनत दैनिक आदतों के निर्माण के जरिए की जाती है। अध्यवसाय इच्छा-शक्ति से संचालित होता है।

❇ ❇ ❇

समय

सही काम करने के लिए हर समय सही होता है।

❇ ❇ ❇

समर्पण

तात्कालिक लेकिन बनावटी खुशियों के बजाय ठोस उपलब्धियाँ पाने के लिए और अधिक समर्पित बनिए।

❇ ❇ ❇

अपने मिशन में सफलता के लिए आपको अपने लक्ष्य के प्रति एकाग्रचित्त होकर समर्पित होना पड़ेगा।

❇ ❇ ❇

समस्याएँ

कभी समस्याओं को अपने ऊपर हावी मत होने दो।

❇ ❇ ❇

अपने राष्ट्र के युवा होने के नाते आपको समस्याओं को अपना मालिक नहीं बनने देना चाहिए। आपको इन समस्याओं का मालिक बनना चाहिए और सफल होना चाहिए। अगर आपका यह रवैया रहेगा तो मुझे विश्वास है कि कोई बाधा आपको नहीं रोक सकती।

❇ ❇ ❇

समस्याएँ चुनौतियाँ देती हैं। ज्ञान और कार्य के बल पर चुनौती का सामना करने से उपलब्धियाँ हासिल होती हैं।

❇ ❇ ❇

किसी भी मिशन में अपना अंतिम लक्ष्य हासिल करने के पहले समस्याओं का सामना होना और उन पर विजय हासिल होना स्वाभाविक है। हमारे पास दृढ़ धारणा और शक्ति होनी चाहिए, ताकि हम अपने प्रयासों से मुसीबतों से निपट सकें और सफल हो सकें। मुझे इस बात में कोई संदेह नहीं है कि हमारे पास ये दोनों विशेषताएँ हैं। ईश्वर हमारे साथ है।

❇ ❇ ❇

समाज

किसी समाज में हमें उसके सारे घटकों में न्यायप्रियता का निर्माण करना चाहिए।

❇ ❇ ❇

सामाजिक बदलाव करनेवालों और उद्यमियों के आवश्यक मुख्य लक्षण कामना, अभिमान, अनुशासन और दृढ़ संकल्प हैं।

❇ ❇ ❇

समानता

इस ग्रह पर हममें से हर एक मानव इतिहास में एक पृष्ठ की रचना करता है, चाहे वह कोई हो। मुझे महसूस होता है कि मेरे अनुभव मानव इतिहास में एक बिंदु के समान हैं, हालाँकि उस बिंदु में जीवन और ज्योति है।

❇ ❇ ❇

समुद्री लहरें (सुनामी)

हम समुद्री लहरों की संतानें हैं,

समुद्री लहरें हमारी मित्र हैं;

जब समुद्री लहरें नाराज होती हैं

तो वे हमें चुनौतियाँ देती हैं;

ईश्वर ने हमें हिम्मत दी है,

ताकि हम समुद्री लहरों को चुनौती दे सकें;

और हम सफल होंगे,

हम सफल होंगे,

ईश्वर की कृपा से।

❇ ❇ ❇

समृद्धि

मात्र एक अच्छा विचार समृद्ध और शांतिपूर्ण भारत का निर्माण कर सकता है।

❇ ❇ ❇

संपर्क और सुयोग्यताओं से समृद्धि का रास्ता निकलता है।

❊ ❊ ❊

विश्व को विवादों और युद्धों से बचाने तथा समृद्धि लाने के लिए राष्ट्रों की समृद्धि महत्त्वपूर्ण है। तमाम सभ्यताओं की सदियों की सीख से हमें विचारों और प्रणालियाँ बनाने में मदद लेनी चाहिए, ताकि समृद्धि ला सकें और विषमताएँ मिटाई जा सकें। धर्मों के अध्यात्म से जुड़े हुए मानवीय मूल्यों की प्रमुख भूमिका होनी

चाहिए।

❊ ❊ ❊

सशक्तीकरण

प्रत्येक नागरिक सशक्त तभी बन सकता है जब वह प्रतिष्ठापूर्ण जीवन जी सकता हो। तभी राष्ट्रीय शांति और समृद्धि हासिल की जा सकती है।

❊ ❊ ❊

साइबरस्पेस

साइबरस्पेस किसी केंद्र के महत्त्वपूर्ण ढाँचे का तंत्रिका केंद्र होता है और इसमें एक-दूसरे से जुड़े सैकड़ों-हजारों कंप्यूटर, सर्वर, रूटर, स्विच और फाइबर ऑप्टिक केबल होते हैं। यह भूमि, समुद्र, वायु और अंतरिक्ष में युद्ध व संघर्ष के मंच के रूप में पाँचवाँ आयाम जोड़ेगा।

❊ ❊ ❊

सामंजस्य

सामंजस्य का परिचय सिर्फ ईश्वर की प्रसन्नता से है।

❊ ❊ ❊

साहस

सदैव अलग तरह से सोचने के लिए तैयार रहिए;

सदैव आविष्कार करने का साहस रखिए,

अनजाने रास्ते पर चलने का साहस रखिए;

समस्याओं से निपटने का साहस रखिए,

और सच्ची जानकारी मुहैया करा पाने में सफलता पाइए,

यही सफल व्यक्ति की अद्वितीय विशेषताएँ होती हैं।

❊ ❊ ❊

साहस की शपथ

राष्ट्र की रक्षा के लिए साहस, नवीनता के लिए साहस, आविष्कार के लिए साहस और पीड़ा से निपटने एवं सफल होने के लिए साहस ही वास्तव में वे लक्षण हैं, जो मानवीय सभ्यता को विकास की ओर ले जाते हैं। मैं, भारत का नागरिक, अपने राष्ट्र को समृद्ध, सुखी और सुरक्षित भारत बनाने के लिए साहस और ज्ञान के साथ काम करूँगा।

❊ ❊ ❊

साहित्य

साहित्य मस्तिष्क का उत्थान करता है।

❊ ❊ ❊

सुंदर हाथ

सुंदर हाथ वे ही हैं जो हर पल, पूरे दिन जोशीले, बहादुरी भरे और सच्चे कार्य करते हैं।

❊ ❊ ❊

सूचना प्रौद्योगकी

सूचना प्रौद्योगिकी दुधारी तलवार है। यह अपार संभावनाएँ मुहैया कराती है, लेकिन साथ ही नए खतरों और चेतावनियाँ भी देती है, जो कि कंप्यूटर, कंटेंट और कनेक्टिविटी या फिर हार्डवेयर, सॉफ्टवेयर, सूचना और नेटवर्क के जरिए पैदा हो सकती हैं।

❊ ❊ ❊

सेना

सैन्य मामलों में क्रांतिकारी परिवर्तन से युद्ध में नए दर्शन और अवधारणाएँ आ गई हैं।

❊ ❊ ❊

सेवा

ईश्वर के सभी जीव उसका परिवार हैं; और वह ईश्वर को सबसे ज्यादा प्रिय होता है, जो ईश्वर के जीवों के साथ सबसे अच्छा करने की कोशिश करता है।

❊ ❊ ❊

स्मृतियाँ

आप राष्ट्र के इतिहास में पृष्ठ-रचना के लिए याद किए जाओगे।

❊ ❊ ❊

स्वच्छता

अपने घर, आसपास की जगह, पड़ोसी और पर्यावरण को हमेशा स्वच्छ व साफ रखिए।

❊ ❊ ❊

स्वतंत्रता

अगर हम स्वतंत्र नहीं हैं तो कोई भी हमारा सम्मान नहीं करेगा।

❊ ❊ ❊

स्वप्न

स्वप्नों को साकार करने से पहले स्वप्न देखने होते हैं।

❊ ❊ ❊

महान् स्वप्नद्रष्टाओं के महान् स्वप्न हमेशा आकर्षक रहे हैं।

❊ ❊ ❊

हमें लाखों लोगों के रूप में नहीं, बल्कि लाखों लोगों के राष्ट्र के रूप में सोचना और काम करना चाहिए। स्वप्न देखिए, स्वप्न देखिए, स्वप्न देखिए!

❊ ❊ ❊

स्वप्न विचारों में बदलते हैं; विचार कार्यों में बदलते हैं।

❊ ❊ ❊

स्वप्नों से ही विकसित राष्ट्र का रास्ता निकलता है।

❇ ❇ ❇

मैं तो बस ये जानता हूँ कि स्वर्ग में या धरती पर स्वप्न की प्रतिबद्धता से बड़ी कोई शक्ति नहीं है।

❇ ❇ ❇

सभी बच्चों को अपने स्वयं के लिए स्वप्न देखने को प्रोत्साहित कीजिए। अगर उनके पास सपने नहीं होंगे तो वे उन्हें साकार करने के लिए प्रेरित नहीं हो सकेंगे।

❇ ❇ ❇

सपने अधीर हवा पर सवार होते हैं। एक ऐसी हवा, जो नई व्यवस्था की रचना करना चाहती है—व्यवस्था, शक्ति और बिजली की गरज की।

❇ ❇ ❇

स्वप्न-विचार-कार्य का दर्शन मैं हरेक विद्यार्थी के मन में देखना चाहता हूँ।

❇ ❇ ❇

स्वप्न को प्रोत्साहित कीजिए। इसे अपने विचारों में रहने दीजिए और इसे अपने अंदर लौ के रूप में जलाए रखिए।

❇ ❇ ❇

स्वयं पर भरोसा कीजिए

अगर हमें स्वयं पर भरोसा नहीं होगा और हम स्वयं अपनी प्रौद्योगिकियों का विकास नहीं करेंगे तथा उनके साथ काम नहीं करेंगे तो वही चीज अन्य देशों से हस्तांतरित सत्ता के रूप में हम तक आएगी। अगर हमें स्वयं पर विश्वास हो और अपनी बुद्धि पर भरोसा करें तो प्रौद्योगिकी-निर्भरता गुजरे जमाने की बात हो जाएगी।

❇ ❇ ❇

स्वास्थ्य कर्मियों की शपथ

हम, स्वास्थ्यकर्मी यह महसूस करते हैं कि हम ईश्वर के मिशन में लगे हैं।

❇ ❇ ❇

हम हमेशा ऐसे मरीजों के इलाज में कुछ समय लगाएँगे, जो इलाज का खर्चा वहन नहीं कर सकते।

❊ ❊ ❊

हम हर साल ग्रामीण इलाकों में जाकर कम-से-कम 20 मरीजों का इलाज न्यूनतम खर्चे पर करेंगे।

❊ ❊ ❊

हम स्तरीय देशी उपकरणों के विकास को बढ़ावा देंगे और बनाए जानेवाले उत्पादों की गुणवत्ता और विश्वसनीयता बढ़ाने में उनका इस्तेमाल करेंगे।

❊ ❊ ❊

हम 'मेरे दिमाग को पीड़ित मानवता का दर्द दूर करने दो और मुसकराहट लाने दो' के आदर्श वाक्य का पालन करेंगे।

❊ ❊ ❊

स्वीकार्यता

जो मैं नहीं बदल सकता था, उसे मैं स्वीकार करने को तैयार रहता था।

संदर्भ

पुस्तकें

1. 2020 : ए विजन फॉर न्यू मिलेनियम
2. चिल्ड्रन आस्क कलाम
3. डे बाय डे हिस्टॉरिकल स्टडी, वॉल्यूम-1
4. डे बाय डे हिस्टॉरिकल स्टडी, वॉल्यूम-2
5. एनविजनिंग एन एंपावर्ड नेशन
6. फैमिली एंड नेशन
7. गाइडिंग सोल्स
8. इग्नाइटिड माइंड्स
9. इंडोमिटेबिल स्प्रिट
10. इन्सपाइरिंग थॉट्स
11. मिशन इंडिया
12. माय जर्नी
13. द लाइफ ट्री
14. द ल्यूमिनस स्पार्क्स
15. विंग्स ऑफ फायर (अग्नि की उड़ान)
16. यू आर बॉर्न टू ब्लॉसम

वेबसाइटें

1. abdulkalam.com
2. abdulkalam.nic.in
3. brainquote.com
4. famousquotes.com
5. finestquotes.com
6. freeindia.org
7. iisc.ernet.in
8. indiavision2020.org
9. poetseers.org
10. presidentofindia.nic.in
11. quotationpage.com
12. wikipedia.org
13. wikiquote.org
14. worldofquotes.com

Published by

Pratibha Pratishthan

1661Dakhni Rai Street,

Netaji Subhash Marg, New Delhi-110001

ISBN 978-93-5186-104-1

Main Kalam Bol Raha Hoon

(Quotes of Dr. APJ Abdul Kalam)

by Prashant Gupta

Edition

First, 2011